बर्षः- 06
अंकः- 27
मुरादाबाद
(Monday)
18 May 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

दैनिक
प्रातः कालीन
क्यूँ न लिखूँ सच
राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
मुरादाबाद से प्रकाशित
प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

लखनऊ में पुलिस ने वकीलों पर किया लाठीचार्ज, अवैध चौंबरों पर बुलडोजर चलने का कर रहे थे विरोध, बढ़ा तनाव

लखनऊ में अवैध चैंबरों पर सुबह-सुबह बुलडोजर चला। इस दौरान वकीलों ने पुलिस-प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। बहस भी हुई। इस दौरान हंगामा कर रहे वकीलों पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया।राजधानी लखनऊ में वकीलों के अवैध चैंबरों पर रविवार को बुलडोजर चला। हाईकोर्ट के आदेश पर यह कार्रवाई हुई। नगर निगम, पुलिस व जिला प्रशासन की टीमों ने सुबह से ही इन्हें तोड़ना शुरू कर दिया। इस दौरान वकीलों ने जमकर नारेबाजी की। पुलिस-प्रशासन से उनकी बहस भी हुई।इस दौरान हंगामा कर रहे वकीलों पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया। वहीं दूसरी तरफ एक वकील ने खुद को चैंबर में बंद कर लिया। उसने कहा कि हमे कोई नोटिस नहीं मिली है। सिर्फ चैंबर तोड़े जा रहे हैं।

उसने चैंबर के अंदर फांसी लगाने की कोशिश की। एक महिला वकील ने कहा कि कुछ कुछ लोगों की मिलीभगत से यह सब गलत हो रहा है। जिस जगह पर हमारे वकील बैठते थे, उस जगह को हटाया जा रहा है। अगर वे सभी चैंबर्स को गिराने से पहले बैठने के लिए कोई दूसरी जगह दे देते, तो यह ज़्यादा सही होता। उन लोगों के चैंबर्स भी गिरा दिए, जिन्हें गिराने के लिए निशान भी नहीं लगाए गए थे। 72 चैंबर्स की पहचान की गई थी। उन्हें गिराने का आदेश हाईकोर्ट ने दिया था। लेकिन, उन्होंने उन खास चैंबर्स के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की। इसके बजाय, आम लोगों के चैंबर्स हटा दिए। बताते चलें कि हाईकोर्ट ने स्वास्थ्य भवन व कचहरी के आसपास बने वकीलों के 240 अवैध चैंबर तोड़ने के लिए कहा था। इसके बाद नगर निगम ने नोटिस चस्पा किए थे। वकीलों को खुद अवैध चैंबर हटाने के लिए वक्त भी दिया था। इसकी मियाद पूरी होने के बावजूद इन चैंबरों को नहीं हटाया गया। इस पर बुलडोजर चलाया गया। वकीलों के हंगामे के आसार के मद्देनजर पीएसी बल भी तैनात की गई है। इससे पहले नगर निगम के अधिकारियों ने बताया कि मुख्य रूप से स्वास्थ्य भवन चौराहे से चकबस्त चौराहे की सड़क पर, सदर तहसील व निबंधन कार्यालय, रेजिडेंसी से सीएमओ, स्वास्थ्य भवन से जिला सत्र न्यायालय की ओर सड़क पर अवैध चैंबर बनाए गए हैं। इन पर कार्रवाई होगी।हालांकि, इससे पहले ही कुछ वकीलों ने कब्जा छोड़ दिया है। जिन लोगों ने सड़क, फुटपाथ, नाले-नालियों पर कब्जा कर चैंबर व फोटो कॉपी की दुकानें बनाई हैं, उनमें अधिकतर प्रभावी लोग हैं। गत वर्ष अक्तूबर में भी नगर निगम व पुलिस ने यहां 20 अवैध चैंबर तोड़े थे, लेकिन बाद में इन्हें फिर बना लिया गया।

संक्षिप्त समाचार

ऑन-स्क्रीन मार्किंग के बीच सीबीएसई का बड़ा फैसला, बोर्ड ने पुनर्मूल्यांकन शुल्क घटाकर 100 रुपये किया

ऑन-स्क्रीन मार्किंग को लेकर उठ रही चिंताओं के बीच सीबीएसई ने छात्रों को बड़ी राहत दी है। बोर्ड ने पुनर्मूल्यांकन और उत्तर पुस्तिका सत्यापन शुल्क में भारी कटौती करते हुए इसे 100 रुपये कर दिया है। इससे पहले यह शुल्क 700 रुपये और 500 रुपये था। ऑन-स्क्रीन मार्किंग को लेकर चल रही बहस के बीच सीबीएसई ने एक अहम निर्णय लिया है। बोर्ड ने छात्रों के हित में कदम उठाते हुए पुनर्मूल्यांकन और उत्तर पुस्तिका सत्यापन की फीस में भारी कमी की है, जिससे अब यह प्रक्रिया पहले से अधिक आसान और किफायती हो गई है।सचिव संजय कुमार ने बताया कि अब किसी छात्र से उत्तर पुस्तिका देखने के लिए 100 रुपये शुल्क लिया जाएगा, उत्तर पुस्तिकाओं के सत्यापन के लिए 100 रुपये और किसी विशेष प्रश्न के उत्तर की पुनः जांच के लिए 25 रुपये शुल्क निर्धारित किया गया है।

डिप्टी सीएम केशव बोले- वैश्विक संकट के बीच भारत में सबसे कम मूल्य वृद्धि, कांग्रेस को जनता देगी जवाब

प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने एक बार फिर कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर निशाना साधा है। भाजपा के प्रशिक्षण शिविर में बतौर मुख्य अतिथि हिस्सा लेने के लिए प्रयागराज पहुंचे केशव ने कहा कि वैश्विक संकट के बीच भारत ने सबसे कम मूल्य वृद्धि की है।प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने एक बार फिर कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर निशाना साधा है। भाजपा के प्रशिक्षण शिविर में बतौर मुख्य अतिथि हिस्सा लेने के लिए प्रयागराज पहुंचे केशव ने कहा कि वैश्विक संकट के बीच भारत ने सबसे कम मूल्य वृद्धि की है। कांग्रेस ने मोदी को महंगाई मैन बताया है, इस सवाल पर केशव ने कहा कि कांग्रेस को जनता आगामी चुनाव में जवाब देगी। कांग्रेस का बयान बेहद हास्यास्पद है। केशव ने कहा कि सपा के पास कार्यकर्ता नहीं बल्कि गुंडे और माफियाओं की फौज है। सपा में कार्यकर्ताओं को कट्टा और बम बनाने का और दंगा कराने का प्रशिक्षण दिया जाता है। भाजपा के पास देश के लिए जान देने वाले समर्पित कार्यकर्ता है। पश्चिम बंगाल में 300 से अधिक कार्यकर्ताओं ने पार्टी के लिए बलिदान दिया है तब जाकर भाजपा वहां सत्ता में आई है। कहा कि बिहार चुनाव के बाद अखिलेश यादव के हौसले पस्त हो गए थे। पश्चिम बंगाल चुनाव से उनको कुछ उम्मीद थी कि टीएमसी के जीतने के बाद कुछ उम्मीद की किरण दिखेगी लेकिन वह भी खत्म हो गई है। सपा मुखिया समेत उनके सारे कार्यकर्ता और पदाधिकारी मायूस हैं। अब कोई भी सपाई लाल टोपी और जालीदार टोपी में नहीं दिख रहा है।

पीएम मोदी की अपील के बाद DMRC का फैसला, हर सोमवार को चलेंगी छह अतिरिक्त ट्रेनें, बढ़ेंगे 24 फेरे

दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) ने 18 मई से प्रत्येक सोमवार को छह अतिरिक्त ट्रेनों के जरिए 24 अतिरिक्त ट्रेन फेरे चलाने की घोषणा की है। जरूरत पड़ने पर अन्य दिनों में भी अतिरिक्त सेवाएं संचालित की जाएंगी। पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के कारण पैदा हुए वैश्विक ऊर्जा संकट के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नागरिकों से ईंधन की खपत कम करने की अपील के बाद दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) ने 18 मई से प्रत्येक सोमवार को छह अतिरिक्त ट्रेनों के जरिए 24 अतिरिक्त ट्रेन फेरे चलाने की घोषणा की है। जरूरत पड़ने पर अन्य दिनों में भी अतिरिक्त सेवाएं संचालित की जाएंगी।डीएमआरसी के अनुसार, मौजूदा परिस्थितियों में सड़क परिवहन से मेट्रो की ओर यात्रियों का रुझान बढ़ सकता है। इसे देखते हुए स्टेशनों पर अतिरिक्त सुरक्षा कर्मियों की तैनाती, टिकट काउंटरों की संख्या बढ़ाने, डोर फ्रेम मेटल डिटेक्टर और बैगेज स्कैनर सक्रिय करने जैसे कदम उठाए जा रहे हैं। साथ ही भीड़भाड़ वाले स्टेशनों पर यात्रियों की आवाजाही को सुगम बनाने की तैयारी की गई है।डीएमआरसी ने कहा कि उसका विस्तृत नेटवर्क रेलवे स्टेशनों, आईएसबीटी, एयरपोर्ट, नमो भारत कॉरिडोर और अन्य सार्वजनिक परिवहन सेवाओं से सीधी कनेक्टिविटी प्रदान करता है। इससे निजी वाहनों और पेट्रोलियम आधारित परिवहन पर निर्भरता कम करने में मदद मिल रही है। यात्रियों की सुविधा के लिए 160 मेट्रो स्टेशनों पर लास्ट माइल कनेक्टिविटी नेटवर्क विकसित किया गया है, जिसमें ई-रिक्शा, ई-ऑटो, बाइक टैक्सी और साइकिल सेवाएं शामिल हैं। डीएमआरसी का दावा है कि इससे रोज करीब एक लाख यात्री लाभान्वित हो रहे हैं। इसके अलावा 126 मेट्रो स्टेशनों पर पार्क एंड राइड सुविधा भी उपलब्ध है। डीएमआरसी ने डिजिटल टिकटिंग को भी बढ़ावा दिया है। यात्री अब क्यूआर टिकट, एनसीएमसी कार्ड, व्हाट्सऐप टिकटिंग और विभिन्न डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए टिकट बुक कर सकते हैं।

ग्रेट निकोबार परियोजनाः जयराम रमेश ने रक्षा मंत्री को लिखी चिट्ठी, कहा- ये प्रोजेक्ट इकोलॉजिकल तबाही का नुस्खा

अपने पत्र में जयराम रमेश ने 1 मई को सरकार की ओर से %द ग्रेट निकोबार द्वीप प्रोजेक्ट अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न शीर्षक से जारी प्रेस नोट पर सवाल उठाए। इसमें उन्होंने 10 मई को केंद्रीय पर्यावरण, वन व जलवायु परिवर्तन मंत्री और फिर 13 मई को केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्री को लिखे पत्रों का भी जिक्र किया। केंद्र सरकार की ग्रेट निकोबार द्वीप परियोजना पर कांग्रेस लगातार सवाल खड़े कर रही है। इसी क्रम में रविवार को कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को एक पत्र लिखा, जिसमें उन्होंने पर्यावरणीय मंजूरी, आदिवासी अधिकारों और परियोजना को रणनीतिक आधार पर उचित ठहराए जाने पर गंभीर सवाल उठाए हैं। कांग्रेस नेता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, केंद्रीय पर्यावरण, वन व जलवायु परिवर्तन मंत्री और केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्री को पत्र लिखने के बाद मैंने अब ग्रेट निकोबार द्वीप परियोजना के संबंध में रक्षा मंत्री को भी पत्र लिखा है।%कांग्रेस नेता ने कहा कि ये %अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न% परियोजना को मिली पर्यावरणीय मंजूरियों को लेकर पूरी तरह भ्रामक तस्वीर पेश करते हैं, जो असल में बेहद संदिग्ध आधारों पर दी गई हैं। इसके अलावा, यह मंजूरी प्रक्रिया के तहत वन अधिकार अधिनियम, 2006 के प्रावधानों के पालन की स्थिति को पूरी तरह गलत तरीके से प्रस्तुत करते हैं। जयराम रमेश ने कहा कि असल में यह प्रक्रिया संसद की ओर से आदिवासी समुदायों को दिए गए व्यक्तिगत और सामूहिक अधिकारों का भावना और शब्द दोनों स्तरों पर खुला उल्लंघन करती है।राजनाथ सिंह को लिखे पत्र में कांग्रेस नेता ने कहा, %यह परियोजना मूल रूप से एक कमर्शियल वेंचर है और इसके कारण होने वाले इकोलॉजिकल नुकसान को लेकर बढ़ती सार्वजनिक आलोचना का सामना कर रही है। इसे सरकार की ओर से तथाकथित रूप से सर्वोपरि सुरक्षा कारणों के आधार पर उचित ठहराने की कोशिश की जा रही है। मैं स्पष्ट रूप से कहना चाहता हूं कि हमारे देश की रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने की आवश्यकता पर कोई दो राय नहीं हो सकती।उन्होंने कहा कि भारत की रणनीतिक क्षमताओं को विश्वसनीय तरीके से प्रदर्शित करने की जरूरत पर भी कोई मतभेद नहीं हो सकता। जयराम रमेश ने कहा, ग्रेट निकोबार द्वीप के कैंपबेल वे में स्थित आईएनएस बाज को जुलाई 2012 में कमीशन किया गया था। कम से कम तीन गुना बढ़ाने और एक नौसैनिक जेट्टी बनाने की योजनाएं लगभग पांच वर्षों से मंजूरी का इंतजार कर रही हैं। इन योजनाओं के पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव भी कहीं कम हैं।% कांग्रेस नेता ने आगे कहा कि अंडमान एवं निकोबार कमांड की ऐसी एसेट्स भी हैं, जो कई वर्ष पहले (2014 से भी काफी पहले) बनाई गई थीं और जिनका विस्तार कहीं कम पर्यावरणीय तबाही के साथ किया जा सकता है। इनमें आईएनएस कार्डिप, आईएनएस कोहासा, आईएनएस उत्क्रोश, आईएनएस जरावा और कार निकोबार एयरफोर्स स्टेशन शामिल हैं। उन्होंने कहा कि ग्रेट निकोबार द्वीप परियोजना का एक महत्वपूर्ण हिस्सा ट्रांसशिपमेंट पोर्ट और टाउनशिप हैं, जिनसे हमारे देश की सैन्य क्षमता किसी भी तरह से नहीं बढ़ती। फिर भी, अब अचानक इन्हें सही ठहराने के लिए यही एक बड़ा आधार बनाकर पेश किया जा रहा है।

सरकारी नियंत्रण वाले मंदिरों के पुजारियों को मिले न्यूनतम वेतन, याचिका पर कल सुप्रीम सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट सोमवार को सरकारी नियंत्रण वाले मंदिरों के पुजारियों और कर्मचारियों के वेतन की समीक्षा के लिए न्यायिक आयोग बनाने की याचिका पर सुनवाई करेगा। याचिका में उन्हें कर्मचारी घोषित करने और सम्मानजनक वेतन देने की मांग की गई है।सुप्रीम कोर्ट सोमवार को एक महत्वपूर्ण याचिका पर सुनवाई करने वाला है। यह याचिका सरकारी नियंत्रण वाले मंदिरों के पुजारियों, सेवादारों और कर्मचारियों के वेतन और अन्य सुविधाओं की समीक्षा से जुड़ी है। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच इस जनहित याचिका (PIL) पर सुनवाई कर सकती है। वकील अश्विनी उपाध्याय ने यह याचिका दायर की है।याचिका में क्या? याचिका में केंद्र और राज्य सरकारों को एक न्यायिक आयोग या विशेषज्ञ समिति बनाने का निर्देश देने की मांग की गई है। यह समिति पुजारियों और मंदिर कर्मचारियों को मिलने वाले पैसे और अन्य लाभों की जांच करेगी। याचिकाकर्ता चाहते हैं कि पुजारियों और मंदिर कर्मचारियों को वेतन संहिता, 2019 की धारा 2(के) के तहत कर्मचारी माने जाएं।याचिका में तर्क दिया गया है कि जब राज्य किसी मंदिर का प्रशासनिक और आर्थिक नियंत्रण अपने हाथ में ले लेता है, तो वहां मालिक और कर्मचारी का रिश्ता बन जाता है। ऐसे में पुजारियों को सम्मानजनक वेतन न देना संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत मिले जीवन जीने के अधिकार का उल्लंघन है। अश्विनी उपाध्याय ने बताया कि इस मामले की शुरुआत 4 अप्रैल को हुई। उस दिन वह वाराणसी के काशी विश्वनाथ मंदिर में एक कार्यक्रम में शामिल होने गए थे। वहां पूजा करने के बाद उन्हें पता चला कि सरकारी नियंत्रण वाले इस मंदिर के पुजारियों और कर्मचारियों को सम्मानजनक जीवन जीने के लिए न्यूनतम वेतन भी नहीं मिलता है। याचिका में आंध्र प्रदेश-तेलंगाना के कर्मचारियों भी जिक्र - याचिका में आंध्र प्रदेश और तेलंगाना का भी जिक्र किया गया है। वहां हाल ही में पुजारियों और कर्मचारियों ने न्यूनतम वेतन की मांग को लेकर बड़ा विरोध प्रदर्शन किया था। याचिका के अनुसार, इन लोगों को अकुशल या अर्ध-कुशल मजदूरों के लिए तय न्यूनतम वेतन भी नहीं मिल रहा है। इसे एक तरह का शोषण बताया गया है। बजाय न्यूनतम मजदूरी अधिनियम और नीति निर्देशक सिद्धांतों (अनुच्छेद 43) का उल्लंघन कर रहा है।

संपादकीय Editorial

Smart City Will Lose Election

Himachal Agriculture Minister Chaudhary Chandra Kumar tore apart Smart City Dharamshala in the municipal elections. It's a natural trait of politics to light lanterns in the sanctum sanctorum to conceal one's own darkness. It's true that Smart City projects were so utterly trampled by politics that slaughterhouses of political power were visible everywhere. However, during the last term, Congress controlled the Municipal Corporation, and Mayor Neenu Sharma was the party's flag-bearer. Consequently, Smart City projects were born and fell apart during both parties' tenures. Now, as Smart City, soaked in political slush, is facing electoral strife, Chaudhary Chandra Kumar, who has taken charge of the elections, has targeted Sudhir's regime. Indeed, as a minister and a lieutenant of King Virbhadra Singh, Sudhir Sharma transformed Dharamshala from a political inn to a political Mecca. During this period, Dharamshala earned numerous nicknames. For example, as the state's winter capital, many projects have been mooted, but over the past eight years, the city has begun to lose its identity, character, and potential. Municipal elections have placed many leaders at the forefront, increasing accountability in evaluating excellence. The state of the Smart City's smart roads is being criticized. Bus stop sheds are lamenting. Having robbed the bus stand of its dignity, the Smart City's electric buses are lamenting their misfortune, while dozens of examples of wasteful waste are lamenting. Streetlights, like wet cats, are ashamed of themselves. Some are not lit, others are down. The Smart City has essentially chosen the tombs of development, yet the city still believes that councillors will eventually improve. If the future is to be decided within the municipal corporations, direct mayoral elections must be held first, otherwise every party will continue to profit politically. If the numbers even slightly change, whether the BJP or the Congress are exposed in this bath. The question here is whether the government or opposition's tantrums about Smart City have been tested before, on any platform, and whether Congress will be able to heal its wounds by blaming Sudhir Sharma for the Smart City project's failure. In our internet survey, we asked the public, "Do you have confidence in the candidates contesting the local body elections?" 77 percent of the total votes were dissatisfied with the names of the councillors. This means that, given the scale of the municipal corporation, the parties currently lack suitable candidates. On the other hand, if incumbents unhappy with ticket allocations are running as independents, many pillars of organizational strength have been broken. How much the BJP's mayor and deputy mayor can add to their new uniforms will be read as evidence of electoral discrepancies. However, Chandra Kumar's allegations make it clear that politicians can cripple even projects like Smart City. If the issue of Smart City comes up in the Shimla Municipal Corporation elections tomorrow, it will become clear that we ourselves are to blame for the progress we make on the journey of urban development. Of course, the election results will reveal whose horse was lame and whose rabbit ran faster, but as a minister, Chaudhary Chandra Kumar should ensure that the worms of corruption spread in the Smart City will be removed and thrown out.

Preventing paper leaks is not impossible.

The government must understand that paper leaks are not just an administrative failure, but a national disaster that is eroding the confidence of young talent like termites. The NEET paper leak shattered students' trust, raising questions about the NTA. Suggestions include the creation of confidential question papers before the exam and random distribution. A digital system, triple backup, and strict penalties are proposed. The leak of the NEET, one of the most prestigious exams in the country, led to the cancellation of the entire exam. This paper leak scandal shattered the dreams of millions of young people and the trust of their parents. With the cancellation of NEET, over 2.2 million students will have to retake the exam. The hardships of these students and parents can be easily imagined. It is regrettable that the National Testing Agency (NTA) has failed once again. It should be noted that in 2024, the exam had to be cancelled and re-conducted at some centers due to irregularities in the NEET. This is not just the leak of a single exam paper, but a cruel joke played on the nation's talent and future. Is it really impossible to develop a transparent examination system? The paper leak mafia knows full well that there will be a few days of uproar, announcements of investigations, protests, and then everything will calm down. Taking advantage of this, such criminals fearlessly prepare to crack the next exam. We should also look at exams like CAT, which are also attended by millions of students, yet there are almost no incidents of paper leaks. The real problem is not management, but the "capital" that revolves around medical entrance exams. Seats in medical colleges, especially private institutions, involve crores and billions. When so much money is at stake, powerful individuals and influential networks become active. Perhaps this is why the seriousness that should be shown in preventing medical entrance exam paper leaks is not shown. The current system of preparing, printing, and then delivering question papers to district-level treasuries and then to examination centers involves so many government and non-government organizations that it's extremely difficult to make it foolproof. Any weak link in this system can be broken at any time through financial or muscle power. If we want a permanent solution to the paper leak problem, radical changes must be made to the current system. The budget-making process can be an ideal example. Just as relevant officials of the Finance Ministry are quarantined a week before the presentation of the Union Budget, a similar model should be adopted here. Three to four days before the exam, 10-12 experts should be gathered in a confidential and secure location. They should prepare at least 20 different sets of question papers, with the same marks for all questions. Suppose an exam is to have 100 questions, a large question bank of 2,000 questions should be prepared based on these 20 sets of question papers. Just two to three hours before the exam begins, a hundred questions should be randomly selected from these 2,000 questions by computer. A PDF file should be immediately generated and emailed to all centers with a password and digital security. The biggest advantage of this process is that no one, not even the head of the exam conducting body, will know which questions will appear until shortly before the exam begins. Without this information, the possibility of leaks will automatically be eliminated. It could be argued that printing of question papers at some exam centers may be problematic due to printer failure or power outages. The solution is to have not just double, but triple backup printers and generators at every exam center, so that if one fails, the second, and the third, can immediately print the question papers. Since in many cases, the administrators of the exam centers themselves have been found involved in malpractice, stricter provisions are needed in the law. If question papers cannot be printed at a center despite the triple backup, it should be considered a conspiracy by the center. Punitive action, heavy fines, and mandatory jail terms should be imposed against such school administrators, principals, and related staff. Only when accountability is fixed will the system improve. Critics may say that arranging double or triple backups at thousands of centers across the country will be expensive, but the current system requires centralized printing of question papers, their nationwide transportation, and the enormous expenditure incurred on security by thousands of police and administrative staff. Digital distribution and backup costs are significantly lower. Nothing is impossible. All that is needed is strong will. The government must understand that paper leaks are not merely an administrative failure but a national disaster, eroding the confidence of young talent like termites.

The Politics of Regionalism is Weakening

Overall, these results indicate that regional politics is weakening in the country's politics, and nationalist ideology is expanding. Regional politics is weakening in the country. Voters placed greater importance on nationalist ideas. The politics of corruption and appeasement were rejected. Following the assembly elections in four states and one union territory, governments with overwhelming majorities have taken office in Assam and Bengal, while the NDA government, formed in Puducherry after a pre-poll alliance, has begun functioning. A victorious government has also emerged in Tamil Nadu, which had a hung assembly. The Chief Minister of Kerala was also elected yesterday. Regarding the election results, the results in Assam, Kerala, and Puducherry were as expected. In Assam, the Congress was swept away by the BJP, like sand islands in the middle of a river swept away by the flood of the Brahmaputra. In the state, the Congress has been confined to the Muslim-dominated seats in lower Assam. However, it was completely wiped out in the Assamese-dominated districts of North Assam, where the party once held considerable influence. This result was entirely expected. Not only is the development achieved by the BJP government clearly visible in the state, but the party also appears sensitive to important issues such as Assamese identity and demographic change.xist-led Left Democratic Front and the Congress-led United Democratic Front (UDF) every five years. The significant highlight of the results here was that the UDF also overthrew Left strongholds like Kozhikode, Thiruvananthapuram, and Kollam. The alliance with the Muslim League helped the Congress, especially in northern Kerala. This alliance gave the Congress a vote share of approximately six percent. However, this result was not unexpected, as the UDF won 18 out of 20 seats in the state in the 2024 Lok Sabha elections. Similarly, Puducherry followed the same pattern, where, due to its dependence on the central government, elections in a Union Territory naturally lean towards the party or alliance that holds power at the center. The two most surprising results came from Tamil Nadu and West Bengal. The Tamil Nadu results were historic in that, after 50 years, the power shift between the DMK and the AIADMK was put to an end. The ruling DMK suffered a major setback in these elections. The big question is how significant a change should be considered, as these elections saw the re-emergence of a cine star in Tamil Nadu politics with the victory. Meanwhile, the change of power in the most talked-about state of Bengal holds perhaps the greatest significance. Bengal witnessed a completely violence-free election after a long time. The stringent measures taken by the Election Commission created a fear-free environment. Consequently, record voter turnout uprooted a regime built on fear and corruption. It is clear that the Special Intensive Revision of Voter Lists (SIR) made the democratic process more transparent and credible. A significant highlight of the Bengal results was that ordinary Bengali voters transcended the sense of superiority and exclusivity created by some Bengali intellectuals in the name of culture and regionalism, emphasizing Indianness. Speaking from personal experience, Bengali voters, sometimes frustrated by Mamata's opposition to the CBI, sometimes the ED, and central forces, had a strong feeling among them that they, too, are fundamentally Indian. Opposition to schemes like PM Shri and Ayushman, introduced to improve schools, was incomprehensible. The deteriorating industry and trade situation, lack of employment, and lack of women's safety prevented the Bengali identity card from working. The results in the states also have broader implications beyond state boundaries. For example, one aspect was the issue of party-sponsored corruption. Both Tamil Nadu and Bengal witnessed a political system that institutionalized efforts to link party cadres with corruption. In Bengal, in addition to corruption in exchange for jobs, TMC workers were required to pay cut money for everything from private construction to power lines. This system had become so institutionalized in government schemes that reports of 200 out of 2,000 rupees allocated under the Samabyathi scheme, launched for the funeral of poor people, were commonplace. In Tamil Nadu, corruption cases were filed against ministers N. Nehru, I. Periyasamy, and V.S. Balaji. Another important implication is that anti-Hindu politics is shrinking. While DMK leaders Udhayanidhi Stalin and K. Ponmudi talked about eradicating Sanatan Dharma, Mamata Banerjee attempted to woo Muslim voters with Islamist words like "kafir." Mamata's outrage at her invocation of "Jai Shri Ram" was clearly visible on camera. The public has completely rejected the politics of Muslim appeasement and anti-Hinduism. The third implication is related to infiltration in the border states of Assam and Bengal. Fourth, voters in Tamil Nadu and Bengal, the most regionally-minded states in the country, have rejected linguistic and regional identities. Overall, these results indicate that regional politics is weakening and nationalist ideology is expanding in India's politics.

स्वार में NIA ने संदिग्ध आतंकी फैजान और उसके दोस्त मुकीम के घर खंगाले

गुजरात के अहमदाबाद में पकड़े गए संदिग्ध आतंकी फैजान सलमानी के मामले में एनआईए की टीम रविवार को जांच के लिए रामपुर पहुंची है। एजेंसी ने फैजान व उसके दोस्त मुकीम के घरों को खंगाला और सुबूत जुटाए हैं। एनआईए ने परिजनों से दोनों संदिग्धों के बारे में पूछताछ भी की।

गुजरात के अहमदाबाद में पकड़े गए संदिग्ध आतंकी फैजान शेख उर्फ फैजान सलमानी मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की टीम रविवार सुबह स्वार पहुंची। एजेंसी ने स्थानीय पुलिस के साथ फैजान सलमानी और उसके दोस्त मुकीम के घर जाकर परिजनों से पूछताछ की। घरों में तलाशी ली, जिससे महत्वपूर्ण सुराग मिल सकें। फैजान के घर तलाशी लेने के साथ एक मोबाइल की भी जांच की गई। वहीं मुन्ना के घर पहुंची एजेंसी अधिकारियों ने मुकीम के बारे में जानकारी जुटाई।

रविवार सुबह लगभग साढ़े छह बजे एनआईए टीम फैजान सलमानी के घर पहुंची थी। घरों को घंटों खंगाला। टीम ने वीडियोग्राफी कराई और परिवार के लोगों से कई घंटे तक पूछताछ की। अधिकारियों ने फैजान के पिता शकील अहमद सलमानी के मोबाइल फोन की भी जांच की और घर में रखा एक कीपैड मोबाइल अपने साथ ले गए।परिवार के मुताबिक पति-पत्नी एक ही मोबाइल फोन का इस्तेमाल करते हैं। बताया गया कि छापेमारी के समय शकील अहमद शादी समारोह में खाना बनाने गए हुए थे। बाद में टीम ने उन्हें अहमदाबाद पहुंचने के लिए कहा। परिजनों के अनुसार शकील ईद से पहले बेटे फैजान से जेल में मिलने भी गए थे। उधर टीम के कुछ सदस्य मेन रोड स्थित मुन्ना के घर पहुंचे और वहां मुकीम के संबंध में जानकारी जुटाई। एनआईए अधिकारियों ने परिवार के लोगों से पूछताछ कर आवश्यक जानकारी जुटाई।

संभल हिंसा केस: तत्कालीन सीओ अनुज चौधरी की वीसी से गवाही, बचाव पक्ष ने पूछे करीब 125 सवाल

संभल हिंसा के मामले में शनिवार को तत्कालीन सीओ अनुज चौधरी की वीसी के माध्यम से गवाही हुई। बचाव पक्ष ने उनसे कई सवाल पूछे, जबकि अभियोजन ने मुकदमे से हटकर पूछे गए सवालों पर आपत्ति जताई। मामले की अगली सुनवाई और गवाही अब 21 मई को होगी। संभल में जामा मस्जिद-हरिहर मंदिर विवाद के दौरान भड़की हिंसा और दो लोगों की हत्या के मामले में शनिवार को तत्कालीन सीओ अनुज चौधरी की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग (वीसी) के जरिए गवाही हुई। अदालत में सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष के अधिवक्ताओं ने उनसे कई सवाल पूछे। मामले में अब अगली गवाही 21 मई को होगी।यह मामला नवंबर 2024 में हुए उस बवाल से जुड़ा है, जब जामा मस्जिद को हरिहर मंदिर होने का दावा किए जाने के बाद कोर्ट द्वारा नियुक्त एडवोकेट कमिश्नर दूसरे चरण का सर्वे कर रहे थे। इसी दौरान हिंसा भड़क गई थी। जमकर पथराव, फायरिंग और आगजनी के बीच गोली लगने से चार लोगों की मौत हो गई थी। इस मामले में पुलिस ने करीब 100 लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। पुलिस के अनुसार हिंसा की साजिश पर्दे के पीछे रहकर रचने वाले शारिक साठा गैंग के मुल्ला अफरोज और गुलाम को हिंसा के दौरान दो लोगों की हत्या के आरोप में जेल भेजा गया था। दोनों के खिलाफ दर्ज मुकदमा अपराध संख्या 340 की सुनवाई अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश डॉ. विदुषी सिंह की अदालत में चल रही है। इस मामले में अनुज चौधरी की गवाही 12 मई को प्रस्तावित थी लेकिन आरोपियों के अधिवक्ताओं ने उनकी अदालत में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर गवाही देने की मांग की थी। वहीं जिला शासकीय अधिवक्ता राहुल दीक्षित ने शासनादेश और चर्चित पुलिस अधिकारी की सुरक्षा का हवाला देते हुए वीसी के माध्यम से ही गवाही कराए जाने की दलील दी थी। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने 16 मई को वीसी के जरिए गवाही कराने का आदेश दिया था। शनिवार को हुई सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष के अधिवक्ताओं ने अनुज चौधरी से वीसी के माध्यम से कई सवाल पूछे। इस दौरान जब मुकदमे से हटकर सवाल किए गए तो जिला शासकीय अधिवक्ता राहुल दीक्षित ने विरोध जताया और केवल केस से संबंधित सवाल पूछने की बात कही। अनुज चौधरी से पूछे गए 125 से अधिक सवाल- सीओ अनुज चौधरी की गवाही के दौरान आरोपियों के अधिवक्ताओं ने करीब 125 सवाल पूछे। पूछा गया कि वह घटना के समय कौन से हथियार लेकर गए थे। उनके हमराहों के पास कौन-कौन से हथियार थे। सभी सवालों का अनुज चौधरी ने जवाब दिया। हिंसा के मामले में दर्ज अन्य मुकदमों के संबंध में सवाल करने पर डीजीसी राहुल दीक्षित ने ऐतराज जताया। करीब दो घंटे तक अदालत में गवाही चली।

महंगाई से जूझ रहे आम लोगों को ईंधन के बढ़े दामों ने दिया झटका

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी के बाद शुक्रवार को नगर और ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों में नाराजगी देखने को मिली। पहले से महंगाई और घरेलू खर्चों से जूझ रहे आम लोगों को ईंधन के बढ़े दामों ने एक और झटका दिया है। वहीं डीजल महंगा होने से किसानों और व्यापारियों ने भी चिंता जताई है। लोगों का कहना है कि पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ने से परिवहन खर्च बढ़ेगा, जिसका असर रोजमर्रा की वस्तुओं की कीमतों पर भी पड़ेगा। किसानों का कहना है कि खाद, बीज और दवाइयों की महंगाई से खेती पहले ही घाटे का सौदा बन चुकी है, अब डीजल के दाम बढ़ने से खेती की लागत और बढ़ जाएगी। विपक्षी दलों के नेताओं ने भी केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उनका कहना है कि केंद्र सरकार ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में तीन रुपये की बढ़ोतरी करके जनता पर करारा प्रहार किया है। व्यापारियों का भी कहना है की पेट्रोल एवं डीजल के मूल्य वृद्धि होने के कारण व्यापार में भी दिक्कतें आएंगी क्योंकि सामान लाने में ले जाने का भाड़ा बढ़ जाएगा।देश के साथ धोखा जनता से लूट यही हाल है देश का। अपने मित्रों को लूटने का सर्टिफिकेट दे दिया है मोदी जी की सरकार ने। हमारी सरकार में 120 डॉलर प्रति बैरल खरीद के बाद भी देश की जनता को 58 रुपए का डीजल दिया था।- चौधरी सुखराज सिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष कांग्रेस- आरटीआई एसोसिएशन जिलाध्यक्ष मनु शर्मा ने बताया कि अमरोहा 3 वर्षों से पेट्रोल और डीजल जैसे उपयोगी व जरूरी उत्पादों के मूल्यों में वृद्धि नहीं की गई।

अब युद्ध से पेट्रोलियम पदार्थों के आयात में दिक्कतों के बाद वृद्धि करना सरकार की मजबूरी है। हालांकि सरकार इस जरूरत कहीं और से पूरा कर सकती थी क्योंकि यह सीधे प्रभावित करने वाला विषय है। सपा युवजन सभा के प्रदेश सचिव युसुफ कुरैशी के मुताबिक पेट्रोल-डीजल पर बढ़ता बोझ सीधे आम आदमी की जेब पर असर डाल रहा है। ईंधन महंगा होने से हर वस्तु की कीमत बढ़ती है और इसका सबसे ज्यादा असर गरीब, मजदूर और मध्यम वर्ग पर पड़ता है। किसान नेता देवेंद्र सैनी ने बताया कि डीजल के दाम बढ़ने से किसानों को बड़ा नुकसान होगा। उन्होंने सरकार से डीजल पर एक्साइज ड्यूटी कम करने की मांग की। वहीं भाकियू के ब्लॉक अध्यक्ष काले सिंह ने सरकार को किसान विरोधी बताते हुए कहा कि खेती की लागत लगातार बढ़ रही है। गांव भैसरोली के राजू ने बताया कि पेट्रोल के दाम बढ़ने से आम आदमी का बजट पूरी तरह बिगड़ गया है। वहीं ढकिया खादर निवासी जोगिंदर का कहना था कि मध्यम वर्ग पहले से महंगाई से परेशान था, अब ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी ने मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। समाजसेवी इकबाल खां के मुताबिक व्यापार पहले से मंदा चल रहा है और तेल के दाम बढ़ने से महंगाई और बढ़ेगी। उन्होंने लोगों से पेट्रोल-डीजल की खपत कम करने और आयातित वस्तुओं के उपयोग में कमी लाने की अपील की। ढकिया खादर के जोगिंदर ने बताया कि एक साथ पेट्रोल एवं डीजल के मूल्य बढ़ाकर मध्यवर्गीय वर्ग परिवार का बजट बिगाड़ कर रख दिया है। जहां मध्यम वर्गीय वर्ग महंगाई की मार से परेशान था वहां अब पेट्रोलियम पदार्थों के पैसे बढ़ने से और दिक्कत में आ गया है। ब्लॉक अध्यक्ष भाकियू काले सिंह ने बताया कि देश का किसान पहले से ही महंगाई की मार झेल रहा है क्योंकि उसे खाद एवं बीज के मूल्य बढ़ाकर मिल रहे हैं और अब सरकार द्वारा डीजल पेट्रोल एवं गैस के रेट बढ़ा दिए गए हैं यह सरकार पूरी तरीके से किसान विरोधी है।

सात केसों में सजा और 11 में बरी हुए हैं आजम खां, 100 से ज्यादा मामले हो चुके दर्ज; कई में चल रही सुनवाई

सपा नेता आजम खां पर पिछले कुछ वर्षों में सौ से अधिक मुकदमे दर्ज हुए, इनमें से सात में आजम खां बरी हो चुके हैं। जबकि कुछ मामलों में अभी कोर्ट में सुनावई चल रही है।सपा नेता आजम खां के खिलाफ दर्ज मामलों की सुनवाई लगातार विभिन्न अदालतों में चल रही है। अब तक उन्हें सात मामलों में सजा सुनाई जा चुकी है, जबकि 11 मामलों में आजम खां कोर्ट से बरी भी हो चुके हैं। अभी कई और मामलों में सुनवाई जारी है।सपा नेता आजम

खां पर पिछले कुछ वर्षों में सौ से अधिक मुकदमे दर्ज हुए थे, जिनमें जमीन कब्जा, फर्जी दस्तावेज, हेट स्पीच और अब्दुल्ला आजम खां के दो जन्म प्रमाणपत्र, दो पैन कार्ड जैसे आरोप शामिल हैं। अब तक आजम खां को जिन मामलों में सजा हुई है, उनमें डूंगरपुर प्रकरण के दो मामले, दो जन्म प्रमाणपत्र मामले, दो पैन कार्ड से जुड़ा मामला तथा हेट स्पीच का मामला प्रमुख हैं।इन मामलों में कोर्ट न अलग-अलग अवधियों की सजा सुनाई थी। सजा मिलने के बाद उनकी विधानसभा सदस्यता भी समाप्त हुई थी। डूंगरपुर प्रकरण में एक बस्ती को जबरन खाली कराने के नाम पर लूटपाट, डकैती, मारपीट जैसे आरोप लगे हैं। वहीं, बेटे के दो जन्म प्रमाणपत्र मामले में उन पर गलत जानकारी देकर दस्तावेज बनवाने का आरोप लगा था। दो पैन कार्ड मामले में भी अदालत में वह दोषी साबित हुए थे। इसके अलावा चुनावी सभाओं में दिए गए बयान को लेकर दर्ज हेट स्पीच मामले में भी सजा सुनाई जा चुकी है। हालांकि कई मामलों में कोर्ट से राहत भी मिली है। अब तक 11 मामलों में अदालत ने सबूतों के अभाव अथवा आरोप सिद्ध न होने पर उन्हें बरी कर दिया था। आजम के अधिवक्ताओं का कहना था कि अधिकांश मुकदमे राजनीतिक द्वेष के चलते दर्ज कराए गए थे। आजम खां और उनके परिवार से जुड़े कई मामलों की सुनवाई रामपुर समेत अन्य अदालतों में जारी है। कोर्ट में पेश हुए थे 10 गवाह- डीएम पर आपत्तिजनक टिप्पणी के मामले में अभियोजन की ओर से मजबूत पैरवी की गई। अभियोजन अधिकारी स्वदेश शर्मा के अनुसार अभियोजन पक्ष ने कुल 10 गवाहों को पेश किया था। सभी गवाह सरकारी अफसर व कर्मचारी थे। सभी ने घटना की पुष्टि की। साथ ही इलेक्ट्रानिक गवाही भी प्रमुख रही। इन्हीं प्रयासों से अभियोजन पक्ष सपा नेता आजम खां को सजा दिलाने में सफल रहा। दूसरी ओर सपा नेता आजम खां पर की ओर से कोई गवाह पेश नहीं किया गया। सपा नेता की ओर से भी अपने बचाव में कुछ खास नहीं कहा गया। शब्दों की गरिमा भूलने वालों के लिए सबक लोकतंत्र में भाषा की मर्यादा ही जनप्रतिनिधियों की वास्तविक पहचान होती है। कोर्ट द्वारा सपा नेता को अधिकारियों के प्रति अभद्र भाषा के प्रयोग के मामले में दो वर्ष की सजा सुनाया जाना उन सभी नेताओं के लिए एक बड़ा संदेश है, जो जनता की वाहवाही लूटने के लिए शब्दों की गरिमा भूल जाते हैं। आज का यह फैसला स्पष्ट करता है कि कानून सबके लिए समान है और लोकतंत्र में मर्यादा से ऊपर कोई नहीं। - आकाश सक्सेना, भाजपा नेता एवं रामपुर शहर विधायक, यह था आजम खां का बयान- पुलिस के मुताबिक वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में आजम खां ने तत्कालीन डीएम पर निशाना साधते हुए कहा था... तनखैया है यह, इससे मत डरियो, उन्हीं के साथ गठबंधन है जो जूते साफ करा लेती हैं। इंशा अल्लाह चुनाव बाद इनसे जूते साफ कराऊंगा। आजम खां जल्द होंगे रिहा - पूर्व सांसद, पूर्व सांसद डॉ. एसटी हसन ने कहा कि आजम खां पहले ही 6-7 साल की जेल काट चुके हैं। वह बहुत जल्द जेल से रिहा होकर आएंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तेल की बचत करने को लेकर जो अपील की है कि उसका कोई प्रभाव नहीं दिख रहा है। यह समस्या प्रधानमंत्री की ही बनाई हुई है। मीडिया से बातचीत में डॉ एसटी हसन ने कहा कि प्रधानमंत्री न इस्राइल के प्रधानमंत्री को गले लगाते, न ही खाड़ी देशों की निगाहों में खटकते तो ईरान होर्मुज स्टेट को हमारे लिए बंद नहीं करता। पुराने दोस्त ईरान को छोड़कर जो हमें 12 प्रतिशत कम पर तेल दे रहा था, जिसका 60 हजार करोड़ रुपये हमारे एक बैंक के अंदर रखा हुआ है, जो फ्री बीमा दे रहा था। ट्रांसपोर्ट में भी रियायत दे रहा था। पूर्व सांसद का आरोप है कि प्रधानमंत्री ट्रंप के आगे झुक गए। वेनेजुएला का लूटा हुआ तेल खरीदने वहां पहुंच गए। पहले तेल सस्ता था तो कंपनियों को मुनाफा कमाने दिया। अब महंगाई करके जनता पर बोझ डाल रहे हैं। यह तो बढ़ोतरी की पहली सीढ़ी है ये लगातार बढ़ाएंगे। जनता तो हर मोड़ पर पिस रही है। सरकार व कंपनियां मौज ले रही हैं।

संक्षिप्त समाचार

जिले में 1,47,524 लोगों ने आनलाइन भरा स्वगणना प्रपत्र

मुरादाबाद। जनगणना के अन्तर्गत सात से 21 मई तक चल रही स्वगणना में लोग तेजी से रुचि दिखा रहे हैं। शुक्रवार तक जिले में 1,47,524 लोगों ने वेवसाइट पर जाकर आनलाइन रुप से डिजिटल स्वगणना प्रपत्र पर जानकारी भरी।

21 मई तक स्वगणना में मांगी गई 33 बिंदुओं की जानकारी में परिवार के मुखिया का नाम, राज्य, जिला, परिवार व घर का विवरण बिंदुवार भरना है। इसमें मकान में कुल कमरे, शयनकक्ष सहित अन्य विकल्पों पर जानकारी देनी है। 4123 ने स्वयं से प्रेरित होकर स्वगणना प्रपत्र भरा। जबकि प्रशासन की ओर से की गई पहल से 1,43,401 नागरिकों ने प्रेरित होकर स्वगणना में सहभागिता की। इस प्रकार कुल 1,47,524 लोगों ने स्वगणना आनलाइन पूरी की।

मंत्री औलख बोले-किसी पर अपमानजनक टिप्पणी करना गलत

भारतीय जनता पार्टी के दो दिवसीय जिला प्रशिक्षण वर्ग में पहुंचे उत्तर प्रदेश सरकार के कृषि राज्यमंत्री सरदार बलदेव सिंह औलख ने समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने अपमानजनक टिप्पणी करने वाले

सपा नेताओं को 'सिरफिरा' बताते हुए कहा कि उन्हें यह तक नहीं पता कि क्या कहना चाहिए और क्या नहीं।कृषि राज्यमंत्री ने सपा नेताओं की टिप्पणियों को अनुचित बताते हुए कहा कि किसी व्यक्ति या समाज पर इस तरह की टिप्पणी करने का कोई औचित्य नहीं है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी को अपनी नीतियों पर काम करना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि समाजवादी पार्टी में कुछ लोग केवल सुर्खियों में आने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी या किसी समाज को लेकर बयानबाजी करते हैं। उन्होंने कहा कि पहले भी ऐसे मामलों में कार्रवाई की गई है और आगे भी यदि कोई व्यक्ति समाज या पार्टी पर आपत्तिजनक टिप्पणी करेगा तो उसके खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे।

श्रद्धालुओं से भरी पिकअप में सामने से ट्रक ने मारी टक्कर, महिला की मौत, 10 लोग घायल

करनाल से श्रद्धालु पिकअप में सवार होकर हरिद्वार गंगा स्नान के लिए जा रहे थे। सहारनपुर में लंढौरा के निकट हादसा हो गया। चालक ट्रक छोड़ भाग गया। वहीं पुलिस ने घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया, जहां मामो देवी की मौत हो गई। नानौता क्षेत्र के गांव लंढौरा के पास करनाल से हरिद्वार गंगा स्नान के लिए जा रहे श्रद्धालुओं से भरी पिकअप में सामने से आ रहे ट्रक ने टक्कर मार दी। हादसे में महिलाओं सहित दस श्रद्धालु घायल हो गए। घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, जहां गंभीर हालत के चलते चार घायलों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। जिला अस्पताल में उपचार के दौरान मामो देवी (65) की मौत हो गई। हादसे के दौरान ट्रक चालक वाहन छोड़कर भाग गया।रविवार को हरियाणा के करनाल और कैथल क्षेत्र के श्रद्धालु पिकअप वाहन में सवार होकर हरिद्वार गंगा स्नान के लिए जा रहे थे। सुबह करीब सात बजे गांव लंढौरा के निकट सामने से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने पिकअप में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही वाहन में चीख-पुकार मच गई। हादसे में सुमन रानी, आर्यांश, मामो देवी, सुनील कुमार, पूनम देवी निवासी गांव चूड़ माजरा थाना डांड पूंडरी (करनाल), दर्शन देवी, रमेश, बाला देवी, सलोनी, निवासी गांव तरवाना थाना तरावड़ी (कैथल) हरियाणा तथा निखिल निवासी गांव शिमलना थाना बड़ागांव घायल हो गए। इनमें गंभीर रूप से घायल सुनील कुमार, मामो देवी, सुमन रानी और आर्यांश को जिला अस्पताल रेफर किया गया था। जिला अस्पताल में उपचार के दौरान मामो देवी की मौत हो गई। पुलिस ने क्षतिग्रस्त पिकअप और ट्रक को कब्जे में ले लिया है। थाना पुलिस का कहना है कि तहरीर मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

ज्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

डिलारी थाना में नए कक्ष और नगर पंचायत ढकिया में नई पुलिस चौकी का उद्घाटन , पुलिस व्यवस्था को मिलेगी मजबूती

क्यूँ न लिखूँ सच / नाजिम हुसैन अंसारी /डिलारी = मुरादाबाद जिले के थाना डिलारी में नव निर्मित कक्ष एवं नगर पंचायत ढकिया में नई पुलिस चौकी का उद्घाटन जिला अधिकारी और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों ने फीता काटकर एवं शिलापट्ट का अनावरण कर नई सुविधाओं का शुभारंभ किया। इस अवसर पर जिला अधिकारी ने कहा कि पुलिस व्यवस्था को मजबूत करने और जनता को बेहतर सुरक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से लगातार आधारभूत सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। नई चौकी बनने से क्षेत्र में कानून व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होगी तथा आम लोगों को पुलिस सहायता शीघ्र मिल सकेगी। एसएसपी ने कहा कि थाना डिलारी में बनाए गए नए कक्ष से पुलिस कर्मियों को बेहतर कार्य वातावरण मिलेगा, वहीं ढकिया चौकी के शुरू होने से आसपास के क्षेत्रों में अपराध नियंत्रण और निगरानी में सहायता मिलेगी। उन्होंने पुलिस कर्मियों को जनता के साथ बेहतर व्यवहार रखते हुए निष्पक्ष कार्रवाई करने के निर्देश दिए।उद्घाटन कार्यक्रम में पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों के साथ स्थानीय जनप्रतिनिधि, नगर पंचायत के सदस्य और क्षेत्र के गणमान्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों ने क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था एवं जनसमस्याओं को लेकर भी चर्चा की।

पंचायती राज ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ का जनपद पीलीभीत विकास भवन में बैठक का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / पीलीभीत / पूर्व सूचना के आधार पर उत्तर प्रदेश पंचायती राज ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ जनपद शाखा पीलीभीत के जिला अध्यक्ष श्री धर्मपाल सिंह जिला मंत्री रामसेवक वाल्मीकि जिला संप्रेक्षक माजिद अली जिला कोषाध्यक्ष देवेश राठौर जिला संगठन मंत्री हरपाल जी के नेतृत्व में आज दिनांक 17,05,2026 को विकास भवन पीलीभीत के गोमती सभागार में एक बैठक आयोजित की गई जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में संघ के संरक्षक श्री हसमुद्दीन खान साहब एवं उ.प्र. राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद जनपद शाखा, पीलीभीत के जिला अध्यक्ष श्री संजय कुमार तोमर जी की उपस्थिति में उत्तर प्रदेश पंचायती राज ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ का जिला संगठन की कार्यकारिणी का विस्तार किया गया एवं महिला मोर्चा का गठन व संगठन की हित में शपथग्रहण कराकार फूल मालाओं से स्वागत किया गया समस्त विकास खंडों के ब्लॉक अध्यक्ष एवं कर्मचारी उपस्थित रहे उत्तर प्रदेश पंचायती राज ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ के जिला स्तर पदाधिकारी का विवरण जो निम्नलिखित हैं। 1.जिला कार्यकारिणी अध्यक्ष- बली मोहम्मद 2.जिला सलाहकार मंत्री व जिला प्रवक्ता रामनिवास 3.जिला उपाध्यक्ष अमित कश्यप 4.जिला उपाध्यक्ष तस्लीम मियां 5.जिला उपाध्यक्ष हरीश सागर 6.जिला उपाध्यक्ष राजकुमार पासवान 7.जिला उपाध्यक्ष दिनेश कुमार भारती 8.जिला उपाध्यक्ष राकेश बाल्मिक 9.जिला सहायक मं करमचंद बाल्मिक 10.जिला सहायक मंत्री राकेश सोनकर 11.जिला सहायक मंत्री दीपचंद अमरिया 12.जिला सहायक मंत्रीका न्ता प्रसाद सागर .जिला सहायक मंत्री हुकुम सिंह मरौरी 14.जिला संयुक्त मंत्री राजीव कुमार शर्मा 15.जिला संयुक्त मंत्री थान सिंह 16.जिला संयुक्त मंत्री राम औतार सोनकर 17.जिला संयुक्त मंत्री राम किशोर अमरिया 18.जिला प्रचार मंत्री शाहिद नबी ललौरीखेड़ा 19.जिला सहायक प्रचार मंत्री सोहन लाल बरखेड़ा 20.जिला मीडिया प्रभारी वाहिद अली व जिला मीडिया प्रभारी श्रीपाल राठौर 21.जिला सांस्कृतिक मंत्री व प्रिंट मीडिया प्रभारी मोश हाशिम नाज अमरिया 22 जिला सहायक कोषाध्यक्ष नन्हे बाबू 23. जिला सहायक संगठन मंत्री अरुण कुमार पुरनपुर 24.जिला सहायक संप्रेक्षक आदत्य कुमार बीसलपुर जिला कार्यकारिणी सदस्य 25.अमरसिंह बीसलपुर 26.सर्वेश कुमार ललौरीखेड़ा 27 राकेश कश्यप अमरिया 28 सेवाराम अमरिया 29 मोहित कुमार विसंडा 30 अनूप वाल्मीकि पूरनपुर 31 महेश कुमार अमरिया 32 फूल सिंह मरौरी 33.मिश्री लाल अमरिया 34.ओम बाबू पूरनपुर 35 राजीव भारती ललौरीखेड़ा 36 गुलजार पूरनपुर 37.दीपक दिवाकर ललौरीखेडा 38 मेराज 39.विकास सागर पूरनपुर 40 यशपाल बीसलपुर 41 अरविंद कुमार बरखेड़ा 42 सुरेन्द्र पाल बरखेड़ा 43 चेतराम अमरिया 44 परमेश्वरी दयाल अमरिया 45 मो0 फिरोज अमरिया जिला महिला मोर्चा- की अध्यक्ष श्रीमती शैलेश सिंह महिला जिला मंत्री सावित्री महिला जिला उपाध्यक्ष में मेराज बी को सब सम्मति से सारे पदाधिकारी मनोनीत निर्वाचित किए गए उत्तर प्रदेश पंचायती राज ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ जनपद शाखा पीलीभीत

देवरनियां में पीएमआवास में फर्जीवाडा, अपात्रों को पात्र घोषित कर दे दिए आवास।

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार/ पीलीभीत / सभासद ने लेखपाल और नगर पंचायत कर्मचारियों पर लगाए आरोप। शिकायत कर दोषियों पर कार्रवाई की मांग। देवरनियां । नगर पंचायत देवरनियां में फर्जीवाडा कर प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ पात्रों की जगह अपात्रों को दिए जाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। नगर पंचायत बोर्ड के सभासद ने लेखपाल और नगर पंचायत कर्मचारियों पर गंभीर आरोप लगाते हुए शिकायत कर दोषियों पर कार्रवाई की मांग करते हुए पात्रों को ही लाभ देने की मांग की है।

जिम्मेदार इस हद तक गिर चुके हैं, कि वह गरीबों के लिए आई योजना में भी सेंधमारी करने से न चूक रहे हैं। नगर पंचायत देवरनियां के वार्ड आठ मुंडिया जागीर के सभासद कमलेश कश्यप ने एसडीएम और अन्य अफसरों से की शिकायत में आरोप लगाया है, कि नगर पंचायत देवरनियां में प्रधानमंत्री आवास में जमकर फर्जीवाडा किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके वार्ड में 46 आवास स्वीकृत हुए थे, जिनमें से दस से ज्यादा लोगों को नगर पंचायत के कुछ सभासदो, लेखपाल श्यामशंकर लाल, दिग्विजय यादव और नगर पंचायत के कर्मचारियों ने? मिलीभगत कर पात्र घोषित कर उन्हें प्रधानमंत्री आवास का लाभ दे दिया गया हैं। इसके लिए बीस से तीस हजार रूपए लेने का आरोप भी लगाया गया है। वार्ड नम्बर आठ के सभासद कमलेश कश्यप ने आरोप लगाया है कि

हैरान करने वाली बात तो यह है कि पात्रों की आवेदन फाईले ही गायब कर दी गई पता करने पर कोई जानकारी नही दी जा रही है । नगर पंचायत मे कुछ ऐसे गरीब है जो किराये पर या तरपाल डालकर अपना गुजारा कर रहे है मगर उनकी तरफ ध्यान नही दिया गया । आरोप है कि कुछ नौकरी पेशा तथा पक्के मकानो बाले कई एकड जमीन के मालिको को पात्र बना दिया गया है । सभासद कमलेश कश्यपे मामले की उचित जांच कर कार्रवाई की मांग की है, और योजना का लाभ पात्रों को देने की मांग की है।

अनियंत्रित होकर बबूल के पेड़ से टकराई तेज रफ्तार बस, चालक समेत 20 यात्री गंभीर रूप से घायल

क्यूँ न लिखूँ सच / अमरीक सिह / बहराइच मटेरा थाना क्षेत्र के अंतर्गत नानपारा-बहराइच हाईवे पर शनिवार को एक भीषण सड़क हादसा हो गया। भावनियापुर गांव के पास एक तेज रफ्तार अनियंत्रित बस सड़क किनारे लगे बबूल के पेड़ से टकरा गई। इस टक्कर में बस चालक सहित लगभग 20 यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई स्टेरिंग फेल होने से हुआ हादसा प्रत्यक्षदर्शियों और ग्रामीणों के मुताबिक, बस (संख्या: UP 86T 6536) बहराइच से सवारियां लेकर गुड चौराहा मिहींपुरवा की तरफ जा रही थी। जैसे ही बस भावनियापुर गांव के बीच पहुंची, अचानक उसका स्टेरिंग फेल हो गया। स्टेरिंग फेल होने के कारण चालक बस पर से नियंत्रण खो बैठा और बस सीधे जाकर एक बबूल के पेड़ से टकरा गई। हादसे में बस का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया पुलिस और ग्रामीणों ने मिलकर चलाया रेस्क्यू ऑपरेशन घटना की सूचना मिलते ही मटेरा थाना प्रभारी हरकेश सिंह पुलिस बल के साथ तत्काल मौके पर पहुंचे। पुलिस ने स्थानीय ग्रामीणों की तत्परता और सहायता से बस में फंसे सभी घायल यात्रियों को कड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकाला सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में चल रहा है इलाज थाना प्रभारी ने बिना वक्त गंवाए सभी घायलों को एंबुलेंस की मदद से तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (CHC) नानपारा भिजवाया, जहाँ डॉक्टरों की देखरेख में सभी का इलाज चल रहा है। ग्रामीणों के अनुसार, बस चालक नजर बेग (पुत्र बहाउद्दीन) की हालत बेहद गंभीर बनी हुई है आवागमन कराया गया सुचारू हादसे के बाद हाईवे पर कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया था। मटेरा थाना प्रभारी हरकेश सिंह ने मौके पर शांति व्यवस्था बनाए रखते हुए दुर्घटनाग्रस्त वाहन को किनारे करवाया और यातायात को सुचारू रूप से चालू करवाया। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

उधार के 10 हजार रुपये बने मौत की वजह

मेडिकल स्टोर संचालक को बुलाकर दी दर्दनाक मौत

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली । थाना भुता क्षेत्र में मेडिकल स्टोर संचालक परमजीत हत्याकांड का पुलिस ने सनसनीखेज खुलासा कर दिया है। करीब तीन महीने पुराने इस मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार करते हुए हत्या में इस्तेमाल वाहन, अवैध तमंचा, कारतूस, मृतक की अंगूठी, दस्तावेज और अन्य सामान बरामद किया है।

पुलिस के मुताबिक 21 फरवरी 2026 को 24 वर्षीय परमजीत मेडिकल स्टोर जाने की बात कहकर घर से निकला था, लेकिन वापस नहीं लौटा। अगले दिन उसका शव थाना फतेहगंज पश्चिमी क्षेत्र में मिला था। शुरुआत में मामला गुमशुदगी का था, लेकिन बाद में पिता रामवीर ने सोमवीर नामक युवक और उसके साथियों पर हत्या का आरोप लगाया। जांच में सामने आया कि आरोपी सोमवीर का मृतक परमजीत से दवाइयों के लेन-देन को लेकर विवाद चल रहा था। आरोप है कि सोमवीर नकली दवाइयों का कारोबार करता था और इसी बात को लेकर दोनों के बीच तीखी बहस हुई। पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने कबूल किया कि विवाद बढ़ने पर उन्होंने मिलकर परमजीत को जहरीला इंजेक्शन लगाया, हाथ-पैर बांध दिए और उसकी हत्या कर दी। हत्या के बाद शव को बुलेरो कार में डालकर फतेहगंज पश्चिमी इलाके में फेंक दिया गया। पुलिस ने मुखबिर की सूचना और सर्विलांस टीम की मदद से आरोपी सोमवीर और आकाश दीप मौर्य को गिरफ्तार कर लिया।पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक अवैध तमंचा, दो जिंदा कारतूस, दो बाइक, एक बुलेरो कार, मोबाइल फोन, मृतक की अंगूठी, आधार कार्ड और अन्य दस्तावेज बरामद किए हैं। फिलहाल पुलिस आरोपियों के खिलाफ आगे की वैधानिक कार्रवाई कर रही है, जबकि फरार अन्य आरोपी की तलाश जारी है।

एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज में पीडिया सेफ एनेस्थीसिया अपडेट का आयोजन

बच्चों के इलाज विशेष सावधानी आवश्यक

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली । युवाओं और बुजुर्गों के मुकाबले दवाइयों और जांचों के प्रति बच्चे अधिक संवेदनशील होते हैं ऐसे में उनके उपचार और ऑपरेशन में विशेष सावधानी आवश्यक है। यह तभी संभव है जब विशेषज्ञ चिकित्सकों को अत्याधुनिक उपकरणों के साथ ही इस क्षेत्र में हो रही रिसर्च की जानकारी मिलती रहे। यही जानकारी एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज में आयोजित पीडिया सेफ एनेस्थीसिया अपडेट 2026 में दी गई। चिकित्सकों के साथ ही डेलीगेट्स और रेजिडेंट इससे लाभान्वित हुए। वर्कशाप में में प्रैक्टिकल जानकारी दी गई। पीडिया सेफ एनेस्थीसिया अपडेट 2026 के उद्घाटन सत्र में एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक एवं चेयरमैन देव मूर्ति जी ने डेलीगेट्स और रेजीडेंट को वर्कशाप में शामिल होने पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि आज पीजी की डिग्रियां बिक रही हैं। जिन संस्थानों में इलाज के लिए मरीज ही नहीं पहुंचते, वहां से डिग्री लेकर चिकित्सक बनने से मरीजों का किस तरह भला हो सकता है, यह सोचने की बात है। लेकिन याद रहे सीखने की इच्छा ही सफलता के रास्ते पर ले जाती है और यह एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज में लगातार हो रही कांफ्रेंस और वर्कशाप आपको सीखने का मौका मिलता है। ऐसे में अपने क्षेत्र से संबंधित जानकारी लेकर अपडेट होना और मरीजों को अच्छे से अच्छा उपचार देकर उन्हें स्वस्थ करना आवश्यक है। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज दिल्ली के पीडियाट्रिक एवं निओनेटल विभाग की डायरेक्टर डॉ.अंशु गुप्ता और वर्कशाप डायरेक्टर के रूप में नोएडा स्थित यथार्थ सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल के एनेस्थिसियोलॉजी एवं पेन मेडिसिन विभाग के डायरेक्टर डॉ.अंशुमान मिश्रा ने वर्कशाप को सीखने का बड़ा मौका बताया। डॉ.अंशु ने कहा कि सभी ऑपरेशन में एनेस्थीसिया विभाग की भूमिका महत्वपूर्ण होती है लेकिन बच्चों की सर्जरी में यह भूमिका और भी संदेवनशील हो जाती है। ऐसे में ज्यादा से ज्यादा सतर्क होना और अपडेट रहना जरूरी है। इससे पहले उद्घाटन समारोह में पीडिया सेफ एनेस्थिसिया अपडेट की ऑर्गनाइजिंग चेयरपर्सन डा.गीता कार्की ने सभी का स्वागत किया और वर्कशाप की जरूरत को बताते हुए इसकी जानकारी दी। प्रिंसिपल एयर मार्शल (सेवानिवृत्त) डॉ. एमएस बुटोला ने संस्थान की उपलब्धियों की जानकारी दी और वर्कशाप को सफल बताया। पीडिया सेफ एनेस्थिसिया अपडेट की ऑर्गनाइजिंग सेक्रेटरी डॉ.दिव्या विजय ने सभी का आभार जताया और धन्यवाद प्रस्ताव रखा। उद्घाटन समारोह का संचालन डॉ.शुभ्रा कुमारी ने किया।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

संविधान बचाओ संवाद में कांग्रेस का हमला

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली । बड़े बायपास स्थित रॉयल फौजी गार्डन में महानगर कांग्रेस कमेटी द्वारा संविधान बचाओ संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महानगर अध्यक्ष दिनेश दद्दा ने की, जबकि मुख्य अतिथि सीतापुर सांसद राकेश राठौर रहे। संचालन पंडित राज शर्मा ने किया। सांसद राकेश राठौर ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि सरकार जनता से असली मुद्दे छुपा रही है। उन्होंने महंगाई, बेरोजगारी और पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों को लेकर सरकार को घेरा और कहा कि आम जनता खुद को ठगा महसूस कर रही है। वहीं महानगर अध्यक्ष दिनेश दद्दा ने कहा कि भाजपा सनातन संस्कृति को नुकसान पहुंचाने का कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि धार्मिक आस्था और मर्यादा बनाए रखना सभी जनप्रतिनिधियों की जिम्मेदारी है। कार्यक्रम में कांग्रेस के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

31 शातिर अपराधियों की खुली हिस्ट्रीशीट, अपराधियों में मची खलबली

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य के निर्देश पर चोरी, लूट, डकैती, गौवध, पशु चोरी, जुआ और हत्या के प्रयास जैसे गंभीर मामलों में शामिल अपराधियों पर शिकंजा कसा गया है। जनपद के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में सक्रिय अपराधियों की हिस्ट्रीशीट खोलकर उनकी गतिविधियों पर नजर रखने के निर्देश दिए गए हैं। बारादरी थाना क्षेत्र में 6, इज्जतनगर में 7, बिथरी चैनपुर में 6, आंवला में 5, शीशगढ़ में 3 तथा बहेड़ी, शाही, फरीदपुर और भोजीपुरा में एक-एक अपराधी की हिस्ट्रीशीट खोली गई है। अपराध की श्रेणी के अनुसार गौवध से जुड़े 21 अपराधी, पशु क्रूरता के 3, चोरी और लूट के 3, लूट-डकैती का 1, जुआ और मादक पदार्थ से जुड़ा 1, मारपीट और हत्या के प्रयास का 1 तथा पशु चोरी का 1 अपराधी शामिल है। पुलिस का कहना है कि इन सभी हिस्ट्रीशीटरों की लगातार निगरानी की जाएगी और उनकी आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए सख्त कानूनी कार्रवाई जारी रहेगी।

रफ्तार के कहर का वीडियो: टक्कर के बाद कार में फंसा युवक, 50 मीटर तक घसीटा, इलाज के दौरान मौत

सितारगंज नेशनल हाईवे पर कस्बा अमरिया में शनिवार देर रात तेज रफ्तार कार ने जूस के ठेले के पास खड़े लोगों को टक्कर मार दी। कार में फंसा युवक 50 मीटर तक घिसटता गया। जिससे गंभीर रूप से घायल युवक की उपचार के दौरान मौत हो गई। पीलीभीत के अमरिया थाना क्षेत्र में शनिवार देर रात सितारगंज नेशनल हाईवे पर तेज रफ्तार कार की चपेट में आने से घायल हुए युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। इस हादसे में कार के नीचे फंसा मुदित 50 मीटर तक घिसटा था। कार की चपेट में एक बाइक भी आ गई। वह भी घिसटती रही, जिससे चिंगारी निकलने लगी। यह घटना सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई। अमरिया कस्बा निवासी मुदित गुप्ता (30 वर्ष) शनिवार की रात अपने दो बच्चों के साथ सड़क किनारे जूस के ठेले के पास खड़े होकर दोस्त आशीष गुप्ता से बातचीत कर रहे थे। इसी दौरान सितारगंज की ओर से आ रही तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर पहले डिवाइडर से टकराई और फिर विपरीत दिशा में पहुंचकर ठेले के पास खड़े लोगों को अपनी चपेट में ले लिया।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टक्कर इतनी भीषण थी कि मुदित गुप्ता कार में फंसकर करीब 50 मीटर तक घिसटते चले गए। दो अन्य लोगों को मामूली चोट आई। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। वाटर कूलर सप्लाई का काम करते थे मुदित -मुदित गुप्ता की हालत गंभीर होने पर उन्हें जिला अस्पताल रेफर किया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। मुदित गुप्ता कस्बे में दुकानों पर वाटर कूलर सप्लाई का काम कर परिवार का पालन-पोषण करते थे। उनकी मौत से परिवार पर रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है। मृतक के परिवार में पत्नी प्रियंका गुप्ता, पुत्र सचित गुप्ता, पुत्रियां नित्या और आराध्या हैं।

क्षेत्राधिकार यातायात आकृति पटेल एवं सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी वीरेंद्र सिंह के नेतृत्व में पुलिस एवं परिवार विभाग द्वारा संयुक्त चेकिंग अभियान

क्यूँ न लिखूँ सच /अरविंद कुमार / पीलीभीत / जनपद में सड़क सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने एवं अवैध बस संचालन तथा ड्रंकन ड्राइविंग पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने के उद्देश्य से शनिवार की रात्रि क्षेत्राधिकारी यातायात आकृति पटेल एवं सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) वीरेंद्र सिंह के नेतृत्व में पुलिस एवं परिवहन विभाग द्वारा संयुक्त विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के अंतर्गत पीलीभीत-बीसलपुर मार्ग सहित विभिन्न स्थानों पर वाहनों की सघन चेकिंग की गई।

इस अभियान में सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी एवं यात्री कर अधिकारी के साथ-साथ थाना अध्यक्ष गजरौला ब्रजवीर सिंह एवं थाना अध्यक्ष बरखेड़ा प्रमेंद्र कुमार के साथ संयुक्त चेकिंग कार्यवाही करते हुए पीलीभीत पूरनपुर मार्ग एवं पीलीभीत बीसलपुर मार्ग से गुजर रही बसों की गहन जांच की गई। इसी दौरान पीलीभीत-बीसलपुर मार्ग पर दो बसें पकड़ी गईं, जिनमें से एक बस बरेली जनपद तथा दूसरी बस अरुणाचल प्रदेश में पंजीकृत पाई गई। उक्त बसें क्रमशः जयपुर एवं दिल्ली के लिए संचालित हो रही थीं। जांच के दौरान पाया गया कि दोनों बसें पौटा कलां क्षेत्र में परमिट की शर्तों का उल्लंघन करते हुए अवैध रूप से फुटकर सवारियां बैठा रही थीं।

इसके अतिरिक्त यातायात निदेशालय के निर्देशों के अनुपालन में पीलीभीत-पूरनपुर मार्ग पर सराय सुंदरपुर टोल प्लाजा एवं पीलीभीत-बीसलपुर मार्ग स्थित टोल प्लाजा के निकट ड्रंकन ड्राइविंग के विरुद्ध विशेष अभियान भी चलाया गया। अभियान के अंतर्गत मार्ग से गुजर रहे वाहनों को रोककर उनके चालकों की ब्रीथ एनालाइजर मशीन से जांच की गई। जांच के दौरान 23 वाहन चालक शराब पीकर वाहन चलाते हुए पाए गए, जिनके विरुद्ध मोटर वाहन अधिनियम के अंतर्गत चालान की कार्रवाई की गई।

अधिकारियों ने बताया कि शराब पीकर वाहन चलाना सड़क दुर्घटनाओं का एक प्रमुख कारण है तथा इससे न केवल वाहन चालक बल्कि अन्य राहगीरों एवं यात्रियों के जीवन को भी गंभीर खतरा उत्पन्न होता है। ऐसे में ड्रंकन ड्राइविंग करने वालों के विरुद्ध निरंतर अभियान चलाकर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

क्षेत्राधिकारी यातायात आकृति पटेल एवं एआरटीओ प्रवर्तन वीरेंद्र सिंह ने संयुक्त रूप से वाहन चालकों से अपील की कि वे यातायात नियमों का पालन करें, वाहन संचालन के दौरान सुरक्षा मानकों का विशेष ध्यान रखें तथा शराब पीकर वाहन चलाने से पूर्णतः बचें।

इस संयुक्त अभियान में थाना अध्यक्ष गजरौला ब्रजवीर सिंह, थाना अध्यक्ष बरखेड़ा प्रमेंद्र कुमार, यात्रीकर अधिकारी बर्डीस चतुर्वेदी, यातायात उप निरीक्षक राघवेंद्र चौहान सहित पुलिस एवं परिवहन विभाग की संयुक्त टीम उपस्थित रही।

राज्यमंत्री जितिन प्रसाद व माश राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार द्वारा आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को वितरित किए स्मार्टफोन

क्यूँ न लिखूँ सच /अरविंद कुमार / पीलीभीत / सरकार के कामों में पारदर्शिता को लेकर कभी दो राय नहीं रही, सरकार ने जो कहा वह कर दिखाया बाल विकास विभाग में तैनात आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को स्मार्टफोन उपलब्ध कार्यकत्रियों के लिए मोबाइल खरीदना मिशन था, मगर सरकार ने अपने अन्य पूर्ण कर लिया और इस मिशन की आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को स्मार्टफोन वाले पीलीभीत के माश सांसद और सूचना प्रौद्योगिकी जितिन प्रसाद व माश इस स्मार्टफोन वितरण की बड़ी की आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को गया कि मोबाइल की गुणवत्ता की नेटवर्क के साथ एक बेहतरीन कैमरा अपनी पोषण ट्रैकर से लेकर अन्य उन्होंने कहा कि अब कार्यत्रियों को कराने में किसी का मुंह नहीं देखना

कराए जाने की घोषणा की गई थी7 प्रदेश भर की आंगनबाड़ी और अच्छी गुणवत्ता के साथ खरीदना एक बहुत बड़ा मिशन की भांति ही यह मिशन भी पूरी सफलता के साथ कामयाबी का नतीजा यह निकला कि आज जिले की से नवाजा गया। सरकार की बड़ी जिम्मेदारियां को निभाने केंद्रीय सरकार के राज्यमंत्री वाणिज्य एवं उद्योग इलेक्ट्रॉनिक्स राज्य मंत्री गन्ना विकास एवं चीनी मिलें ने एक बार फिर जिम्मेदारी को निभाया और अपने कर कमलों से जनपद स्मार्टफोन वितरित किए। कार्यक्रम के दौरान अवगत कराया बात की जाए तो गुणवत्ता आपको इस मोबाइल में 5त्र उपलब्ध कराया गया है जिससे आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां ऑनलाइन सेवाओं का काम आसानी से निपटा सकेंगी7 विभिन्न शासकीय कार्यों कार्यक्रमों में के फोटोग्राफ उपलब्ध होगा अपना मोबाइल उठाया और कार्यक्रम की फोटो सेकेंडों में परियोजना से लेकर जिला स्तरीय अधिकारियों तक पहुंचा सकेंगी। जनपद में कुल 1985 आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों और मुख्य सेविकाओं को मोबाइल प्राप्त कराए जाने है जिसमें से कार्यक्रम में प्रत्येक परियोजना से आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को बुलाकर कार्यक्रम में मोबाइल वितरण किया गया साथ ही मोबाइल वितरण कार्यक्रम में केंद्रीय/ राज्यमंत्री जितिन प्रसाद जी एवं राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार द्वारा मंच पर आंगनबाड़ी कार्यकत्री सावित्री देवी, पूनम, चंद्र देवी, राजेश्वरी देवी, ममता देवी, सावित्री, मंजू जैन, सविता, संगीता, ममता और मुख्य सेविका रुचि को अपने हाथों से मोबाइल प्राप्त कराया गया। मोबाइल वितरण कार्यक्रम में केंद्रीय राज्यमंत्री जितिन प्रसाद के साथ राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार, जिला अध्यक्ष गोकुल प्रसाद मौर्य, पूर्व विधायक किशनलाल राजपूत, जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह, नवागत मुख्य विकास अधिकारी सतीश प्रसाद मिश्रा, जिला कार्यक्रम अधिकारी युगल किशोर सांगुड़ी सहित अन्य पदाधिकारी व अधिकारी उपस्थित रहे।

जनपद बाराबंकी रामनगर स्थित महादेवा शिव मंदिर मेला के दृष्टिगत प्रत्येक सोमवार को डायवर्जन व्यवस्था

क्यूँ न लिखूँ सच / भूपेंद्र तिवारी/ जनपद बाराबंकी रामनगर स्थित महादेवा शिव मंदिर पर मलमास (पुरुषोत्तम माह) के दृष्टिगत प्रत्येक सोमवार को होने वाली श्रद्धालुओं की भीड़ तथा वर्तमान में संजय सेतु पर मरम्मत कार्य चलने के कारण घाघराघाट पर यातायात व्यवस्था सामान्य बनाये रखने हेतु प्रत्येक सोमवार को समस्त भारी वाहन/ चार पहिया वाहन / कामर्शियल मालवाहक वाहन (ट्रक,बस ,रोडवेज बस ,डम्फर,टेंकर.चार पहिया ,कामर्शियल मालवाहक इत्यादि) हेतु डायवर्जन व्यवस्था निम्नवत लागू की जाती है - अंतर्जनपदीय डायवर्जन व्यवस्था- नपद बहराइच घाघरा घाट से जनपद लखनऊ की तरफ जाने वाले भारी वाहनों को टिकोरा मोड़ से डायवर्ट कराकर चहलारीघाट , रेऊसा होते हुए लखनऊ की तरफ भेजा जायेगा ।ऐसे वाहन जिन्हें टिकोरा मोड़ से चहलारीघाट की तरफ डायवर्ट किया जाता है उनमें से कुछ वाहन यादवपुर लिंक मार्ग से होकर लखनऊ मार्ग पर निकलते हैं ऐसे वाहनों को यादवपुर मोड़ से सीधे चहलारीघाट, रेउसा की तरफ भेजा जायेगा ।पयागपुर, हुजूरपुर की तरफ से आने वाले भारी वाहनों को कैसरगंज तिराहा से डायवर्ट कर टिकोरा मोड़ चहलारी घाट होते हुए लखनऊ की तरफ भेजा जायेगा । कर्नलगंज जनपद गोण्डा की तरफ से आने वाले समस्त भारी वाहनों को जरवल तिराहा से डायवर्ट कराकर टिकोरा मोड़ की तरफ भेजा जायेगा । जनपद गोण्डा व बलरामपुर से डायवर्जन व्यवस्था - 1. जनपद गोण्डा से संजय सेतु का प्रयोग कर लखनऊ जाने वाले वाहनों को वाया नवावगंज अयोध्या य वाया परसपुर तरबगंज ढेमवाघाट से रौनाही होकर भेजा जाये । 2. जनपद बलरामपुर से संजय सेतु का प्रयोग कर लखनऊ जाने वाले वाहनों को वाया गोण्डा ,परसपुर ,तरबगंज ,ढेमवाघाट से रौनाही अथवा उतरौला वाया मनकापुर नबावगंज से अयोध्या होकर लखनऊ भेजा जाये । डायवर्जन का दिनांक व अवधि - 1. दिनांक-17.05.2026 / 18.05.2026 की रात्रि 24.00 बजे से 12.00 बजे तक । 2. दिनांक-24.05.2026 / 25.05.2026 की रात्रि 24.00 बजे से 12.00 बजे तक ।

3. दिनांक-31.05.2026 / 01.06.2026 की रात्रि 24.00 बजे से 12.00 बजे तक । 4. दिनांक-07.06.2026 / 08.06.2026 की रात्रि 24.00 बजे से 12.00 बजे तक । 5. दिनांक-14.06.2026/ 15.06.2026 की रात्रि 24.00 बजे से 12.00 बजे तक ।

बहू-बेटी सम्मेलन व जागरुकता कार्यक्रम आयोजित कर महिलाओं/बालिकाओं को किया गया

क्यूँ न लिखूँ सच / भूपेंद्र तिवारी/ - पुलिस अधीक्षक महोदय बहराइच श्री विश्वजीत श्रीवास्तव के निर्देशन में मिशन शक्ति अभियान 5.0 के द्वितीय चरण के तहत जनपद के विभिन्न स्थानों पर बहू-बेटी सम्मेलन व जागरुकता कार्यक्रम आयोजित कर महिलाओं/ बालिकाओं को किया गया सशक्त

मिशन शक्ति अभियान फेज 5.0 के द्वितीय चरण के तहत जनपद के समस्त थानों की मिशन शक्ति/एंटी रोमियो टीमों द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्रों में भ्रमण कर बहू-बेटी चौपाल एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों के माध्यम से महिलाओं एवं बालिकाओं को मिशन शक्ति अभियान के उद्देश्यों, उनके अधिकारों, तथा सुरक्षा उपायों के प्रति जागरूक किया गया। महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए, मिशन शक्ति टीमों ने उन्हें विभिन्न सहायता सेवाओं, सरकारी योजनाओं और आपातकालीन हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी उपलब्ध कराई।प्रमुख बिंदु- महिलाओं पर होने वाले अपराधों की पहचान और उनसे बचाव के उपायों की जानकारी दी गई।

साथ ही उनकी समस्याओं को सुनकर समाधान हेतु दिशा-निर्देश दिए गए। महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबर 1090 - वीमेन पावर लाइन, 1098 - चाइल्ड हेल्पलाइन, 1076 - सीएम हेल्पलाइन, 112 - इमरजेंसी सेवा, 181 - महिला हेल्पलाइन, 108 - एम्बुलेंस सेवा, 1930 - साइबर अपराध शिकायत हेल्पलाइन आदि के बारे में जानकारी दी गयी । महिलाओं व बालिकाओं को उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई, जिससे वे लाभान्वित हो सकें। साथ ही मानव तस्करी / बाल तस्करी पर विशेष रूप से जानकारी दी गई कि इन अवैध गतिविधियों से कैसे सतर्क व सुरक्षित रहा जा सकता है। इसके अतिरिक्त महिलाओं को आत्म-रक्षा के सरल व प्रभावी तरीकों के बारे में प्रशिक्षण दिया गया ताकि वे किसी भी विषम परिस्थिति में स्वयं की रक्षा कर सकें।

01 परिवारों में सुलह कराते हुए परिवारों को टूटने से बचाया

क्यूँ न लिखूँ सच / भूपेंद्र तिवारी/ आवेदिका द्वारा आपसी पारिवारिक विवाद के सम्बन्ध में पुलिस अधीक्षक महोदय श्री विश्वजीत श्रीवास्तव के समक्ष सुलह हेतु प्रार्थना पत्र दिया गया था, जिसके निस्तारण हेतु पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा प्रभारी परिवार परामर्श केन्द्र को निर्देशित किया गया। परिवार परामर्श केन्द्र के कुशल काउंसलर्स श्री फहीम किदवई, श्री रजनीश विश्वकर्मा, श्रीमती अनुराधा श्रीवास्तव, श्री धनन्जय सिंह तथा पुलिस टीम उ0नि0 रमाशंकर मिश्र, म0मु0आ0 संगीता यादव, म0आ0 गिरजावती यादव, म0आ0

छाया द्विवेदी, म0आ0 सविता मिश्रा, म0आ0 निशी त्रिवेदी द्वारा शिकायतकर्ता की शिकायतों को विस्तारपूर्वक सुनकर-समझकर द्वितीय पक्ष से सम्पर्क करके उन्हें पुलिस लाइन बहराइच प्रेक्षागृह बुलाया गया तथा दोनों पक्षों को समझाया गया, जिसके परिणामस्वरूप दोनों पक्षों द्वारा भविष्य में आपस में लड़ाई-झगड़ा न करने तथा परिवारिक कर्तव्यों का पालन करते हुए खुशी-खुशी साथ रहने की बात कही गयी।

आपसी सुलह होने पर दम्पत्ति जोड़ों को एक-दूसरे के साथ आपस में सामन्जस्य स्थापित कर, परिवारिक दायित्यों को सही प्रकार से निर्वहन करने हेतु सलाह दी गयी।

KYUN NA LIKHUN SACH
हिंदी अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र
दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच
को आवश्यकता है उत्तर प्रदेश . उत्तराखंड मध्य प्रदेश ,दिल्ली ,बिहार पंजाब छतीसगढ़ राजस्थान आदि सभी राज्यों से रिपोर्टर,जिला व्यूरो विज्ञापन प्रतिनिधि की
सम्पर्क करे-9027776991

संक्षिप्त समाचार

राज्यमंत्री गन्ना विकास एवं चीनी मिलें उश्प्रश श्री संजय सिंह गंगवार ने नदी के कटाव प्रभावित क्षेत्र तथा ब्रह्मचारी घाट का किया स्थलीय निरीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच /अरविंद कुमार / पीलीभीत / क्षेत्रीय भ्रमण के दौरान राज्यमंत्री गन्ना विकास एवं चीनी मिलें उश्प्रश श्री संजय सिंह गंगवार द्वारा जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह के साथ बाढ़ की संभावित स्थिति को दृष्टिगत रखते हुए नौकुंड एवं बेरीखेड़ा गांव में नदी के कटाव प्रभावित क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान नदी के कटाव से गांवों को सुरक्षित रखने हेतु आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान कटाव से प्रभावित स्थलों का स्थलीय अवलोकन करते हुए संभावित जोखिम वाले क्षेत्रों को चिन्हित करने तथा समयबद्ध एवं प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करने पर बल दिया गया। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और बाढ़ व कटाव से बचाव हेतु सभी आवश्यक उपाय समय रहते किए जाएंगे। इसके उपरांत राज्यमंत्री जी द्वारा ब्रह्मचारी घाट का भी निरीक्षण किया गया। घाट क्षेत्र की स्थिति, नदी के जलस्तर एवं सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को घाट निर्माण एवं सौंदर्यकरण हेतु आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी सदर, तहसीलदार सदर, नायब तहसीलदार, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका पीलीभीत सहित अन्य संबंधित अधिकारी व स्थानीय गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

फतेहपुर रिंद नदी हादसा: नहाते समय गहरे पानी में डूबे आठ युवक, मछुआरों ने चार को बचाया, चार की दर्दनाक मौत

फतेहपुर के ललौली क्षेत्र में रिंद नदी में नहाते समय गहरे पानी में डूबने से तपनी गांव के चार युवकों की मौत हो गई, जबकि चार को बचाकर अस्पताल भेजा गया है।फतेहपुर जिले में रविवार को रिंद नदी में नहाते समय आठ युवक गहराई में जाने से डूब गए।

मछुआरों की मदद से चार लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला जा सका। वहीं, चार युवकों की मौत हो गई। ललौली थाना क्षेत्र के तपनी निवासी हसीबुद्दीन, शाहिद, अंश और शान की डूबने से मौत हो गई।हादसे की सूचना मिलते ही ललौली थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने चारों शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। तपनी गांव से कुल नौ युवक कुंनुहा डेरा के पास स्थित रिंद नदी में नहाने गए थे। चार को सीएचसी बिंदकी में भर्ती कराया गया है, जहां उपचार जारी है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है

भारतीय किसान यूनियन (भानु) का विस्तार: आमिर अली बने बहराइच के नए जिला उपाध्यक्ष

क्यूँ न लिखूँ सच / बहराइच भारतीय किसान यूनियन (भानु) ने संगठन को मजबूती देने और किसानों की समस्याओं को प्रखरता से उठाने के लिए जनपद बहराइच में अपनी कार्यकारिणी का विस्तार किया है। संगठन के शीर्ष नेतृत्व के निर्देशानुसार, भाकियू (भानु) के बहराइच जिला अध्यक्ष धर्मचंद महेश ने मटेरा चौराहा निवासी आमिर अली को संगठन में एक बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है। आमिर अली को भारतीय किसान यूनियन (भानु) का जिला उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया है संगठन को मजबूत बनाने पर जोर जिला अध्यक्ष धर्मचंद महेश ने आमिर अली के मनोनयन पत्र सौंपते हुए उम्मीद जताई कि उनके आने से संगठन को जमीनी स्तर पर और मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि आमिर अली हमेशा से किसानों और क्षेत्र की जनता के मुद्दों को लेकर सक्रिय रहे हैं, और अब इस नए पद के जरिए वे किसानों के हक की लड़ाई को और तेज करेंगे मनोनयन पर क्षेत्र में हर्ष मटेरा चौराहा निवासी आमिर अली को जिला उपाध्यक्ष बनाए जाने की खबर से स्थानीय किसानों, शुभचिंतकों और संगठन के कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर है। आमिर अली को बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है।नवनियुक्त जिला उपाध्यक्ष आमिर अली ने कहा संगठन ने मुझ पर जो भरोसा जताया है, मैं उस पर पूरी तरह खरा उतरने का प्रयास करूंगा। बहराइच जनपद के किसानों की समस्याओं, जैसे- खाद-बीज की उपलब्धता, बिजली की समस्या और फसलों के उचित दाम के मुद्दों को हर स्तर पर प्रमुखता से उठाया जाएगा। हमारा मकसद हर पीड़ित किसान की आवाज बनना है इस मौके पर संगठन के तमाम पदाधिकारियों ने आमिर अली को माला पहनाकर उनका स्वागत किया और संगठन के विस्तार पर प्रसन्नता व्यक्त की।

तहसील गुढ़ महसांव हल्का पटवारी प्रदीप पटेल पर किसानों ने लगाए भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप

चढ़ावा दो तो व्यवसायिक मुआवजा, नहीं तो जमीन रिकॉर्ड से गायब– ग्रामीणों में भारी आक्रोश

क्यूँ न लिखूँ सच /प्रदीप कुमार तिवारी कार्यकारी संपादक/ रीवा जिले के गुढ़ तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत महसांव में रीवा–सीधी राजमार्ग सड़क चौड़ीकरण परियोजना को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। प्रभावित किसानों और ग्रामीणों ने मुआवजा प्रक्रिया में भारी अनियमितता और भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए हैं। किसानों का कहना है कि सड़क चौड़ीकरण के नाम पर उनकी जमीनों का अधिग्रहण तो किया जा रहा है, लेकिन उचित मुआवजा देने के बजाय गरीब किसानों के साथ अन्याय किया जा रहा है।

पीड़ित किसान रामनरेश यादव ने महसांव हल्का के पटवारी प्रदीप पटेल पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि उनकी भूमि का अधिग्रहण किए जाने के बावजूद रिकॉर्ड में उसे सही तरीके से दर्ज नहीं किया गया। किसान के अनुसार उनकी कुल पुश्तैनी जमीन मात्र चार डिसमिल है, जो रीवा–सीधी राज्य मार्ग के बिल्कुल किनारे स्थित है। इसी भूमि पर उनका पुश्तैनी कुआं भी बना हुआ है, लेकिन मुआवजा निर्धारण के दौरान उनकी जमीन के साथ कथित तौर पर बड़ा खेल किया गया।

रामनरेश यादव ने आरोप लगाया कि पूर्व में हल्का पटवारी द्वारा उनसे मुआवजा बनवाने के नाम पर चढ़ावे की मांग की गई थी। जब उन्होंने आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण चढ़ावा देने में असमर्थता जताई, तो उनकी भूमि को अधिग्रहण सूची में सही तरीके से शामिल नहीं किया गया। पीड़ित किसान ने भावुक होते हुए कहा कि मेरे पास सिर्फ चार डिसमिल जमीन है और उसी में भी मुआवजा माफिया ने खेल कर दिया। अब मैं न्याय के लिए दर–दर भटकने को मजबूर हूं।

इसी प्रकार का मामला किसान गया प्रसाद तिवारी ने भी सामने रखा। उन्होंने आरोप लगाया कि महसांव हल्का पटवारी प्रदीप पटेल द्वारा उनकी कुछ भूमि को रिकॉर्ड से ही गायब कर दिए गया है। साथ ही उनकी

अन्य व्यवसायिक एवं संचित भूमि को असिंचित दर्शाकर कम मुआवजा तैयार किया गया। किसान का कहना है कि इससे उन्हें भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है।

ग्रामीणों ने खोली मुआवजा माफिया की पोल- महसांव हल्का के कई ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि रीवा–सीधी राष्ट्रीय राजमार्ग चौड़ीकरण के नाम पर क्षेत्र में मुआवजा माफिया सक्रिय हो चुका है। ग्रामीणों का कहना है कि जिन किसानों ने कथित रूप से चढ़ावा दिया, उनकी भूमि में हाथकल बोर करवा कर जो महज़ 10 से 20 फीट के आसपास हैं जिनसे कितने खेतों की सिंचाई हो सकती है यह जांच का विषय है एवं नवनिर्मित अस्थायी निर्माणों को भी व्यवसायिक श्रेणी में दर्शाकर भारी मुआवजा तैयार किया गया।

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि कई स्थानों पर बांस–बल्ली और टीनशेड के सहारे खड़े किए गए अस्थायी ढांचों को भी व्यवसायिक निर्माण बताकर लाखों रुपये का मुआवजा स्वीकृत किया गया, जबकि गरीब और असहाय किसानों की संचित एवं व्यवसायिक भूमि को असंचित बताकर कम मुआवजा तैयार किया गया।

ग्रामीणों का कहना है कि मुआवजा बनाने के नाम पर व्यापक पैमाने पर अवैध उगाही की गई है और पूरी प्रक्रिया में भारी भ्रष्टाचार हुआ है। इतना ही नहीं, कुछ किसानों की भूमियों को रिकॉर्ड से विलोपित तक कर दिया गया, जिससे वे पूरी तरह मुआवजे से वंचित हो गए। इन आरोपों के बाद क्षेत्र में भारी नाराजगी का माहौल है और किसान अब खुलकर विरोध की तैयारी में जुट गए हैं।

निष्पक्ष जांच नहीं हुई तो कलेक्टर कार्यालय पहुंचेंगे किसान- ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि समय रहते इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्रवाई नहीं की गई और प्रभावित किसानों को उचित मुआवजा नहीं मिला, तो आने वाले दिनों में बड़ी संख्या में किसान रीवा कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर आंदोलन करेंगे। कुछ जनप्रतिनिधियों ने भी इस कथित मुआवजा माफिया के खिलाफ आवाज बुलंद करने की बात कही है।

ग्रामीणों का कहना है कि शासन की महत्वाकांक्षी सड़क परियोजना को कुछ भ्रष्ट कर्मचारी अवैध वसूली का जरिया बना रहे हैं, जिससे सरकार की छवि भी धूमिल हो रही है। किसानों ने मांग की है कि पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच कराई जाए तथा मुआवजा प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी बनाया जाए। वरिष्ठ पत्रकार गीता तिवारी ने रीवा सीधी राष्ट्रीय राजमार्ग चौड़ीकरण के मुआवजा में किए जा रहे भ्रष्टाचार के विरुद्ध उच्च अधिकारियों से की जांच की मांग बड़ा सवाल – क्या गरीब किसानों को मिलेगा न्याय? पटवारी के मनमानी से किसान परेशान अब सबसे बड़ा सवाल यही उठ रहा है कि क्या प्रशासन इस गंभीर मामले को संज्ञान में लेकर निष्पक्ष जांच करेगा या फिर गरीब किसान आवेदन, निवेदन और सरकारी कार्यालयों के चक्कर काटते रह जाएंगे? फिलहाल क्षेत्र के किसानों की निगाहें जिला प्रशासन और उच्च अधिकारियों की कार्रवाई पर टिकी हुई हैं।

श्री बाला जी धाम मंदिर चमरसेना में श्री राम कथा का आयोजन

कथा व्यास बाल आशी किशोरी ने केवट संवाद की कथा सुनाई

क्यूँ न लिखूँ सच /पवन कुमार/ कोंच(जालौन)। तहसील के ग्राम चमरसेना में स्थित बाला जी धाम मंदिर पर श्री राम कथा का आयोजन चल रहा है इस राम कथा के आयोजन में कथा व्यास बाल आशी किशोरी जी द्वारा केवट संवाद की कथा सुनाई इस अवसर माधोगढ़ क्षेत्र के विधायक मूलचंद्र निरंजन भाजपा नेता विकास पटेल धनोरा शिक्षक नेता राम शंकर छानी छत्तर सिंह अध्यापक चमरसेना राम राजा मौसियां गजराज सिंह अध्यापक चमरसेना डा राजेश कुमार निरंजन आत्मा राम पटेल पची पुरा कलां सत्यराम ककेया राजेंद्र सिंह निरंजन राजू मनोहर सिंह निरंजन किशुन पुरा शारदा प्रसाद बाबूजी भदारी आदि ने कथा व्यास का

सम्मान कर आशीर्वाद ग्रहण किया ओर कथा व्यास ने सभी को पट्टिका पहनाकर स्वागत सम्मान किया इस अवसर पर कथा के परीक्षित सोहन लाल पत्नी श्री मति शगुन मनोहर सिंह भूरे मंदिर के पुजारी नंदकिशोर बाबा केरो बाबा सहित बड़ी संख्या में गांव वासी मौजूद रहे मंच का संचालन गजराज सिंह अध्यापक चमरसेना ने किया कथा समापन के बाद आरती उतारी गई और इसके बाद सभी को प्रसाद वितरित किया गया

उरई मवई चौराहा पर पाल समाज का प्रदर्शन, अहिल्याबाई चौराहा बनाए जाने की मांग

क्यूँ न लिखूँ सच /पवन कुमार/ उरई। मवई चौराहा पर रविवार को पाल समाज के लोगों ने अपनी मांगों को लेकर जाम लगाकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि जब तक मवई चौराहा का नामकरण अहिल्याबाई चौराहा के रूप में नहीं किया जाएगा, तब तक उनका धरना–प्रदर्शन जारी रहेगा। पाल समाज के लोगों ने बताया कि क्षेत्रीय विधायक गौरीशंकर द्वारा पूर्व में आश्वासन दिया गया था कि मवई चौराहा का नाम अहिल्याबाई चौराहा रखा जाएगा, लेकिन अब तक इस संबंध में कोई कार्रवाई नहीं हुई है। इससे समाज के लोगों में नाराजगी बढ़ गई है।

प्रदर्शन के दौरान समाज के प्रतिनिधियों ने विधायक से अपील करते हुए कहा कि मवई चौराहा पर यात्रियों की सुविधा

के लिए प्रतीक्षालय और वाटर कूलर भी लगाया जाए। उन्होंने बताया

कि चौराहा के आसपास चार–चार स्कूल संचालित हैं, जहां प्रतिदिन हजारों लोगों का आवागमन रहता है। ऐसे में आमजन और विद्यार्थियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। प्रदर्शनकारियों ने यह भी कहा कि चौराहा के पास ही भाजपा कार्यालय स्थित है, इसलिए जनसमस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाना चाहिए। धरना–प्रदर्शन के चलते कुछ समय के लिए यातायात भी प्रभावित रहा। मौके पर मौजूद लोगों ने प्रशासन से जल्द मांगें पूरी किए जाने की मांग की।

परीक्षा पे चर्चा नहीं, समीक्षा की जरूरत, नीट मामले पर कांग्रेस का BJP सरकार पर बड़ा हमला

नीट–यूजी पेपर लीक विवाद को लेकर कांग्रेस ने भाजपा सरकार पर करारा हमला किया है। जयराम रमेश ने कहा कि अब परीक्षा पे चर्चा नहीं, बल्कि परीक्षा की समीक्षा की जरूरत है। उन्होंने शिक्षा मंत्री को अक्षम बताया। वहीं, कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने कहा यूजी परीक्षा रद्द होने और पेपर लीक विवाद के बाद देश की भाजपा सरकार पर बहुत तीखा हमला बोला है। कांग्रेस का जगह %परीक्षा की समीक्षा% यानी पूरी जांच होनी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हर साल परीक्षा पे चर्चा का बड़ी परीक्षा के पेपर लीक होने से देश की पूरी शिक्षा करने से काम नहीं चलेगा, बल्कि इन परीक्षाओं के सिस्टम अपनी जिम्मेदारी निभाने में फेल रहे? जयराम रमेश ने सीधा कि मौजूदा शिक्षा मंत्री इस बड़ी जिम्मेदारी के लिए बिल्कुल राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) पर की गई सिफारिशों का से अक्षम, राजनीतिक और भ्रष्ट साबित हो चुका है। कांग्रेस

कि सरकार का अमृत काल छात्रों के लिए मृत काल बन गया है। नीट–राजनीति बहुत ज्यादा गरमा गई है। कांग्रेस पार्टी ने केंद्र की सत्ता में बैठी साफ तौर पर कहना है कि अब समय आ गया है कि परीक्षा पे चर्चा की चाहिए।कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने शनिवार को बयान देते हुए खूब प्रचार करते हैं, लेकिन अब हालात बिल्कुल बदल गए हैं। नीट जैसी व्यवस्था पर बहुत बड़े सवाल खड़े हो गए हैं। इसलिए अब सिर्फ चर्चा की बहुत गहराई से समीक्षा करने की सख्त जरूरत है।क्या शिक्षा मंत्री निशाना केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान पर साधा है। उन्होंने साफ कहा उपयुक्त नहीं दिखते हैं। उन्होंने संसद की शिक्षा संबंधी स्थायी समिति की हवाला दिया। रमेश ने कहा कि शिक्षा मंत्रालय का पूरा तंत्र अब पूरी तरह ने भाजपा सरकार पर क्या–क्या आरोप लगाए हैं? कांग्रेस ने शिक्षा व्यवस्था में आई गड़बड़ियों को लेकर सरकार पर कई बड़े आरोप लगाए हैं। इन आरोपों के मुख्य बिंदु इस प्रकार हैं- पिछले कुछ वर्षों में एनसीईआरटी (NCERT) की पाठ्यपुस्तकों को लेकर बड़ा विवाद खड़ा किया गया है। देश में लगातार पेपर लीक की घटनाएं सामने आ रही हैं, जिससे सिस्टम की पोल खुल गई है। शिक्षा के क्षेत्र में एनएएसी (NAAC) रिश्वत कांड जैसे भ्रष्टाचार के बड़े मामले भी हो चुके हैं। खरगे ने अमृत काल को छात्रों के लिए %मृत काल% क्यों बताया? कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने नीट परीक्षा देने वाले छात्रों की आत्महत्या की घटनाओं पर बहुत दुख जताया है। खरगे ने भाजपा सरकार पर कड़ा हमला करते हुए कहा कि सरकार का %अमृत काल% अब छात्रों के लिए मृत काल साबित हो रहा है। उन्होंने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से तुरंत इस्तीफे की मांग की है। खरगे ने आरोप लगाया कि इस सरकार में 90 से ज्यादा पेपर लीक हो चुके हैं। करोड़ों छात्रों ने वर्षों की तैयारी और परिवार की उम्मीदों के साथ परीक्षा दी थी, लेकिन इस भ्रष्ट और अक्षम व्यवस्था ने उनके सारे सपनों को चकनाचूर कर दिया है।

संक्षिप्त समाचार

ठेके के बाहर 'दारू दंगल'! बीच सड़क शराबियों का हाईवोल्टेज ड्रामा, जमकर चले घूंसे-लात

क्यूँ न लिखूँ सच /पवन कुमार/ जालौन के कोंच नगर में शराब के ठेके के बाहर उस समय अफरा–तफरी मच गई, जब दो शराबी मामूली कहासुनी के बाद बीच सड़क पर आपस में भिड़ गए। देखते ही देखते दोनों के बीच गाली–गलौज के बाद जमकर मारपीट शुरू हो गई, जिससे मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। बीच सड़क हो रहे इस हाईवोल्टेज ड्रामे से काफी देर तक हंगामे की स्थिति बनी रही। राहगीर तमाशबीन बने रहे तो वहीं कुछ लोगों ने बीच–बचाव करने का प्रयास भी किया। मारपीट और हंगामे का वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें दोनों शराबी एक–दूसरे पर लात–घूंसे बरसाते नजर आ रहे हैं। पूरा मामला कोंच कोतवाली क्षेत्र में फायर सर्विस स्टेशन कार्यालय के पास स्थित शराब ठेके के बाहर का बताया जा रहा है।

रातभर चला सड़क सुरक्षा अभियान, शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर सख्त कार्रवाई

क्यूँ न लिखूँ सच /पवन कुमार/ डीएम–एसपी के निर्देशन में टोल प्लाजा पर विशेष चेकिंग, थके चालकों को आराम के बाद ही यात्रा की सलाह एडीजी यातायात उत्तर प्रदेश के निर्देश पर जनपद जालौन में सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण एवं आमजन को सुरक्षित यात्रा के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से कल रात्रि विशेष सड़क सुरक्षा एवं जागरूकता अभियान चलाया गया। जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय एवं पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह के निर्देशन में यातायात पुलिस द्वारा विभिन्न टोल प्लाजा पर देर रात तक सघन चेकिंग अभियान संचालित किया गया। अभियान के दौरान वाहन चालकों की ब्रेथ एनालाइजर से जांच की गई। जो चालक शराब पीकर वाहन चलाते पाए गए, उनके वाहनों को तत्काल साइड में खड़ा कराते हुए मोटर वाहन अधिनियम के अंतर्गत वैधानिक कार्रवाई की गई। यातायात पुलिस ने स्पष्ट संदेश दिया कि शराब पीकर वाहन चलाना न केवल कानूनन अपराध है, बल्कि स्वयं एवं अन्य लोगों के जीवन के लिए भी गंभीर खतरा है। यातायात पुलिस ने लंबी दूरी तय करने वाले वाहन चालकों को विशेष रूप से जागरूक करते हुए कहा कि लगातार वाहन चलाने के बजाय बीच–बीच में विश्राम अवश्य करें। नींद, थकान या अस्वस्थता की स्थिति में वाहन को सुरक्षित स्थान पर रोककर आराम करने के बाद ही आगे की यात्रा करें। अभियान के दौरान सीट बेल्ट एवं हेलमेट के अनिवार्य प्रयोग, निर्धारित गति सीमा का पालन करने तथा सड़क सुरक्षा नियमों के प्रति जागरूक किया गया।यातायात प्रभारी वीर बहादुर सिंह ने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल पुलिस की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। सुरक्षित ड्राइविंग से ही दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सकती है। इस दौरान मुख्य आरक्षी सुभाष कुमार, मुख्य आरक्षी अजीत कुमार, आरक्षी विवेकानंद सहित यातायात पुलिस के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

थाना कुंवरगांव पुलिस ने एक अभियक्त भेजा जेल

क्यूँ न लिखूँ सच / एसएसपी के निर्देशानुसार व पुलिस अधीक्षक नगर के निर्देशन तथा श्रीमान क्षेत्राधिकारी नगर महोदय के पर्यवेक्षण मे थाना कुंवरगाँव पुलिस द्वारा ग्राम दुगरैया में ट्यूबैल से

आगे कच्चे रास्ते से एक नफर अभियुक्त 1. प्रदीप कुमार यादव पुत्र रक्षपाल सिंह यादव निवासी ग्राम बादल थाना कुवंरगाँव, बदायूँ को मय 01 प्लास्टिक के कट्टे मे 06 किलो 340 ग्राम नशीला पदार्थ डोडा छिल्का के साथ गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त के कब्जे से बरामद 01 प्लास्टिक के कट्टे मे करीब 06 किलो 340 ग्राम डोडा छिल्का के सम्बन्ध मे थाना कुंवरगांव पर मु0अ0सं0 72/26 धारा 8/15 हृष्ठक्क्र,ष्ट्रञ्ज बनाम प्रदीप कुमार यादव पुत्र रक्षपाल सिंह यादव निवासी ग्राम बादल थाना कुवंरगाँव, बदायूँ पंजीकृत किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त को मा0 न्यायायलय के समक्ष पेश किया गया ।

KYUN NA LIKHUN SACH
हिंदी अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र
दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच
को आवश्यकता है उत्तर प्रदेश . उत्तराखंड मध्य प्रदेश ,दिल्ली ,बिहार पंजाब छतीसगढ़ राजस्थान आदि सभी राज्यों से रिपोर्टर,जिला ब्यूरो विज्ञापन प्रतिनिधि की
सम्पर्क करे-9027776991

Are you skipping moisturizer for fear of greasy skin? Learn about the harmful effects of this on your skin.

Even oily skin needs to be moisturized, but with the right steps. If your skin is oily and still feels greasy despite all your efforts, it means something is wrong. If oily skin isn't cared for properly, it produces even more oil, worsening skin problems. In this article, we'll explore the common mistakes in moisturizing oily skin and how to avoid them. Skipping moisturizer because of oily skin is a big mistake. It causes your sebaceous glands to produce even more oil. Applying heavy cream—it's perfect for dry skin, but not for oily skin. It will clog your pores. Applying moisturizer to dry skin - If you apply moisturizer after completely drying your face, it won't absorb properly. Applying moisturizer to slightly damp skin can give better results on oily skin. Washing your face frequently - Washing your face repeatedly when your skin feels oily damages the skin barrier. A research report published in the International Journal of Cosmetic Science states that frequent face washing damages the outer layer of the skin. Using too much product - Applying more product than needed doesn't mean better results. Doing so leaves excess product sitting on the upper layer of skin and makes it appear sticky. Not reading the ingredients on the pack - Some products are specifically formulated with oily skin in mind. Therefore, whenever purchasing a product, be sure to read the ingredients list on the back of the pack. Choose the right moisturizer for yourself this way: Get a lightweight, gel-based moisturizer for oily skin. Use it daily when your skin feels oily. These ingredients are beneficial for oily skin: Niacinamide: Controls oil and shrinks pores. Hyaluronic acid: Hydrates without heaviness. Salicylic acid: Cleanses pores. Caffeine: Refreshes the skin. Avoid these: Mineral oil, artificial fragrance, coconut oil

Don't mistake these items in your hotel room for free! If you're staying for the first time, learn these 5 rules.

If you're staying in a hotel for the first time, there are a few things you should know so you don't waste money and still enjoy your stay. As exciting as the experience of staying in a hotel for the first time is, it can also be equally nerve-racking. Often, due to excitement or lack of proper information, we inadvertently make mistakes that can not only drain our pockets but also ruin the entire trip. If you're planning a hotel stay for the first time, you need to be a little smart. Let's learn about 5 common mistakes you can avoid to make your experience wonderful and stress-free. Not bringing ID and booking papers at check-in - The first thing you do upon arriving at the hotel is check-in. People often struggle to find their Aadhaar card, passport, or a printout/digital copy of their booking confirmation in a hurry. This delays check-in, and if you have trouble accessing your hotel booking information, you may even have trouble getting a room. Always keep your original ID and booking voucher handy in a separate folder or on the front of your phone. Not understanding hidden charges and mini-bar amenities: The sight of cold drinks, chocolates, and snacks stored in the refrigerator in hotel rooms can be tempting. First-time travelers often use these services, assuming they're complimentary. Keep in mind that only two water bottles and a tea maker are usually free. Charges apply for refrigerator items and extra laundry services. Some hotels also have resort fees. Be sure to read the room rate list before using the room. Ignoring check-out times: Each hotel has its own check-in and check-out times. Many first-time visitors stay late, thinking there's still plenty of day left. If you delay your check-out time, the hotel may charge you an extra half-day or full-day rate. If your train or flight is in the evening, you can deposit your luggage in the luggage room at reception and explore the city, but it's wise to vacate the room on time. Not checking reviews and hotel location - Booking a hotel based solely on a low price or impressive photos can be a major mistake. The room may not be exactly what the photo shows, or the hotel may be so far from the main city center that you'll end up spending half your time and money just traveling to and from the hotel. Read other people's reviews before booking and check the hotel's location on Google Maps to see how far it is from the railway station or tourist spots. Mistreatment of hotel staff and security negligence - Security is of paramount importance when staying at a hotel. Some people don't lock the room door properly or leave their keycards lying around. Additionally, mistreating staff can impact your service. Be courteous to hotel staff, such as housekeeping or bellboys. Use the in-room safe for your valuables and passport. Also, always check that the door is automatically locked when leaving your room.

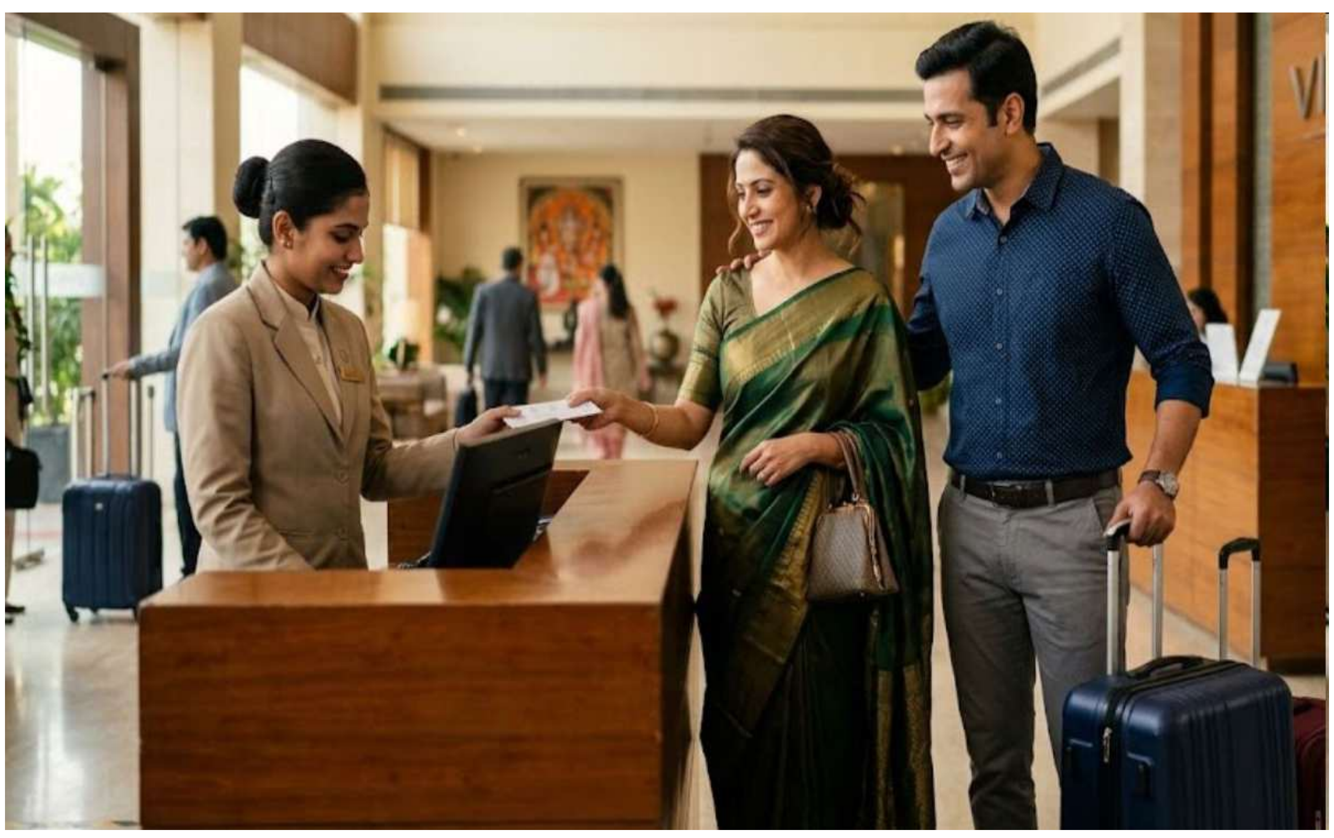

Normal instant coffee will taste like a cafe! Try these 4 easy ways to enhance the taste.

Today, we'll tell you about easy ways to make instant coffee even more delicious. These include using flavored syrups, spices, natural sweeteners, and plant-based milk. Make your coffee special with flavored syrups or spices; use natural sweeteners and plant-based milk; lukewarm water and a pinch of salt will enhance the flavor. Making instant coffee requires very little time and ingredients, but coffee lovers enjoy it with great enthusiasm. Did you know that this simple coffee can be made as delicious as a branded coffee shop with the help of small additions? So let's make instant coffee even more delicious. How to make instant coffee even more flavorful.Flavored syrups: You can add any syrup of your choice, such as vanilla, caramel, or hazelnut, to your instant coffee. This will not only make the coffee tasty but also give it a unique taste. Spices: Just like tea, you can add flavor to coffee with spices like cinnamon, nutmeg, or cardamom. For a fragrant instant coffee, simply add a pinch of any of these spices. Sweetener of choice: Instead of regular sugar, you can use natural sweeteners like honey or maple syrup to sweeten your coffee. This will enhance both sweetness and flavor. Plant-based milk: In addition to regular milk or cream, you can also opt for plant-based milks like almond milk, coconut milk, or oat milk to make your coffee even richer, creamier, and healthier. This way, you can enhance the flavor: Water temperature: Instead of using boiling water to brew coffee, use lukewarm water. This will enhance the flavor of instant coffee. Coffee quality: If you drink regular coffee, invest in good quality coffee. Coffee from better brands offers a richer flavor. Cold coffee: Instead of drinking hot coffee in the summer, add ice to your instant coffee. By the way, you'll only need lukewarm water to dissolve the coffee. Simply add ice and your choice of milk to the prepared coffee. Salt also enhances the flavor: Most instant coffees taste bitter, so a pinch of salt can help reduce this bitterness. This will also prevent acidity and maintain a balanced taste.

IIZ actress U-turns on intimate scene statement, Anupriya Goenka says, "One and a half years ago..."

An old interview of Anupriya Goenka, who is seen in the recently released "IIZ: Indian Institute of Zombies," is currently in the news. The truth behind her statement is clear from the actress's own perspective. Anupriya Indian Institute of Zombies," had scenes. Now, Anupriya Goenka has of Anupriya Goenka, who is seen in Zombies," is currently in the news. from the actress's own perspective. statement: Recently, a news story which she stated that actors often get Anupriya said, "The interview that and a half years ago." I don't know scenes in a few projects, like the web difficult to do such scenes. I replied have been good. Based on my earlier sometimes be difficult. Pressed by instance, an actor got overly excited, placed his hand where it was spoke with the actor and others on on set is generally comfortable, and to these matters than female actors. doing. Then, a specific part of my even written in it that are completely Anupriya Goenka, actress of films War, is now prioritizing roles that vein, she will be seen in IIZ: Indian 15th. Regarding her role in the film, explores the world of zombies. I comedy genres before. Therefore, opportunity. I was laughing a lot

Goenka, who appeared in the film "IIZ: made a statement regarding intimate clarified her statement. An old interview the latest film "IIZ: Indian Institute of The truth behind her statement is clear Anupriya Goenka on intimate scene went viral regarding Anupriya Goenka, in carried away while filming intimate scenes. is being cited was given by me about one why it's now in the news. I've shot intimate series Sultan of Delhi. I was asked if it's that most of my experiences in this regard experiences, I explained that yes, it can the interviewer, I explained that in one and in another instance, another actor supposed to be. However, I subsequently set. I also stated that shooting such scenes that male actors often pay more attention I only say yes to things I'm comfortable statement was circulated. Some things were untrue.' Anupriya spoke about IIZ like Tiger Zinda Hai, Padmaavat, and offer her a different perspective. In this Institute of Zombies, releasing on May she says, "It's a horror comedy that haven't worked in both horror and working on this film was an interesting while reading the script, even though my role as Professor Briganza is quite serious. Children love her and are also very attracted to her. She forms a team of backbenchers and inspires them to fight the zombies. I've tried to bring a little comedy into this serious character."

Four electricians and an unknown man, something happened; Madhuri Dixit's heart started pounding out of fear.

Madhuri Dixit is celebrating her 59th birthday today. On this special occasion, read the story of when an unknown man entered the actress's house along with four switchboard repairmen. When Madhuri Dixit sang "Unhu "Chandramukhi" in "Devdas," who captivated everyone with her heart of Bollywood's "Dhak-Dhak sight of someone? No, right? But house, the actress got a little entered Madhuri Dixit's house - such a situation, we are going to Madhuri Dixit had come to Kapil 'The Fame Game'. Then the entered her house and was not house broke down, and some was a small switchboard, and four asked which switchboard they switchboard, another was was fixed, I told them that fifth man remained behind."

Unhu" as "Nisha," her fans' hearts raced. When she danced as her fans also started dancing with her. Madhuri of the 90s is the actress beauty as "Mohini" with her smile. Could you ever imagine that the Girl," Madhuri Dixit, who made everyone's heart beat faster at the it happened. When an unknown person entered Madhuri Dixit's scared. What is this whole story? Read in detail: When five people Madhuri Dixit is celebrating her 59th birthday on 15 May 2026. In tell this interesting story related to her personal life to the fans. Actually, Sharma's show in the year 2022 for the promotion of Netflix's series actress had shared the story related to an unknown person who had ready to leave. The actress had said, "Once, the switchboard in my people came to repair it. Unfortunately, I was at home at the time. It people had come to fix it. A fifth man was also following them. They needed to fix. I told them, 'This one.' One man was opening the inspecting it, and a third and a fourth were fixing it. After everything everything was fine now, you can go. All four of them left, but the Madhuri Dixit asked this question with some nervousness - Sharing the story, Madhuri Dixit further said, "I got a little nervous and asked the man, 'What happened? Are you not going with them?' Then the man laughed and said, 'Where? We are not with them, we have come to see you.'" He just entered my house with those people." Madhuri Dixit, who has given successful films like "Hum Aapke Hain Koun" to "Khalnayak", "Dayavan", "Ram Lakhan", "Tridev", "Parinda", "Tezaab", "Dil", "Dil To Pagal Hai", "Beta", "Dedh Ishqiya", "Kalank", and the recent release "Bhool Bhulaiyaa 3", continues to work on the big screen even at the age of 59. With this, she has also become the queen of the OTT world. Apart from "The Fame Game", she recently played a brilliant role of a serial killer in the crime-thriller series "Mrs. Deshpande". In addition, she will soon be seen in the dark-comedy film "Maa Behen", which will soon be released on Netflix.

Where has Mahabharat's 'Sanjay' disappeared? He left his government job to take the risk of acting, and now his circumstances are like this.

Where is the actor who played Sanjay in Doordarshan's Mahabharat today and what is he doing? Let's find out in this article. The Mahabharat show was aired on Doordarshan. This actor played Sanjay - this is how the veteran actor Mahabharat is considered the most popular the cast of Doordarshan's Mahabharat is about actor Lalit Mohan Tiwari, who Mahabharat. Sanjay, who once became a and what is he doing? Let's find out. Where Tiwari played the character of Sanjay in current circumstances, he currently resides personal residence. Lalit Mohan Tiwari, an interview that he worked in a risk of becoming an actor. However, this risk a successful actor. What does Lalit Mohan distanced himself from acting, is currently theater artists. He also serves as an acting in Delhi. It's worth noting that nearly two University, Lalit Mohan Tiwari was Lalit Mohan Tiwari's film career: As an only on the small screen but also on the big at his Bollywood career, Lalit made his Woh Manzil Toh Nahin," released in 1987.

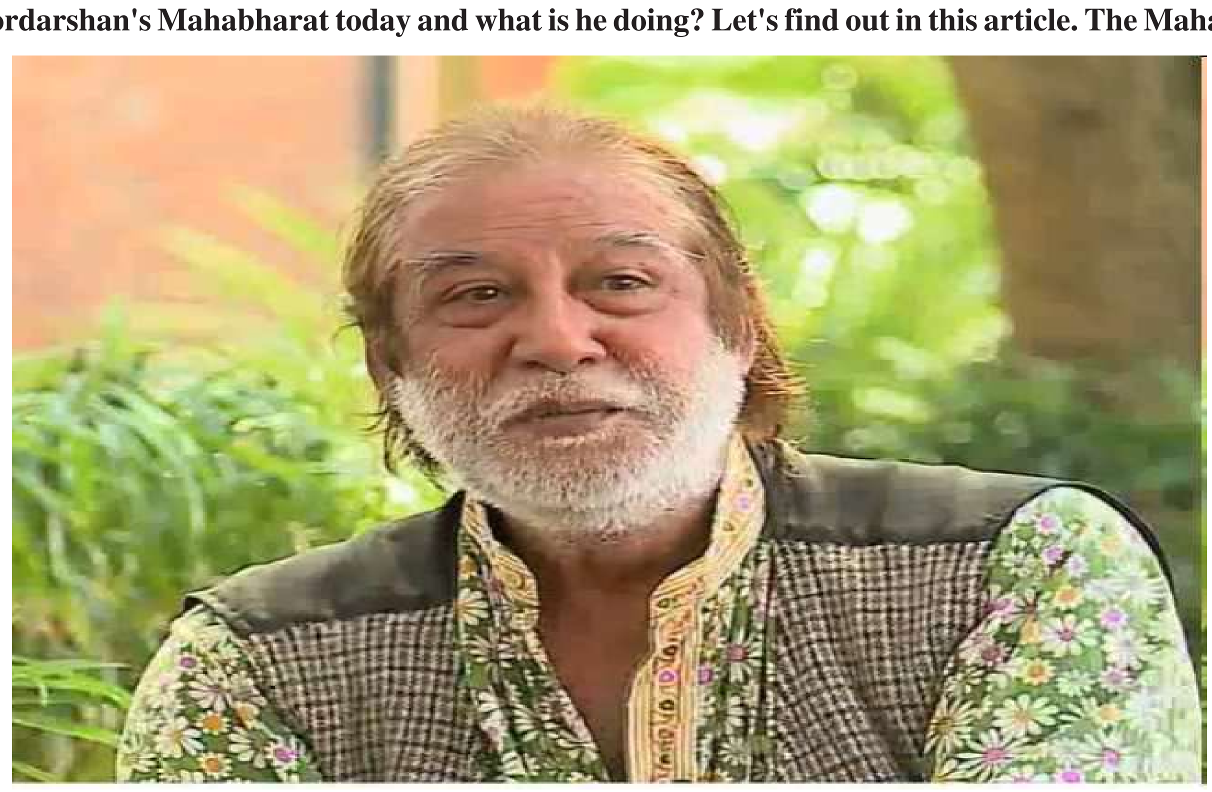

is making a living today. B.R. Chopra's mythological show on the small screen. Even today, discussed. Based on this, we are going to tell you played Dhritrashtra's charioteer Sanjay in the 80s household name in the country, is now where he is is Sanjay of Mahabharat? - The way Lalit Mohan Mahabharat is still praised. Speaking of Lalit's in Nainital, Uttarakhand, where he maintains his who has always avoided the limelight, revealed in government job for five years before taking the proved fruitful in the film industry, and he became Tiwari do now? Lalit Mohan Tiwari, who has active as an acting trainer, honing the skills of instructor at the National School of Drama (NSD) years ago, at the 19th convocation of Kumaon announced to be awarded an honorary degree. actor, Lalit Mohan Tiwari has made a mark not screen with his powerful performances. Looking acting debut in Hindi cinema with the movie "Yeh He subsequently appeared in several popular films, including Om Dar Ba Dar, Chandni Lamhe Darr, and working with prominent actors like Shah Rukh Khan and Anil Kapoor further catapulted Lalit Mohan Tiwari's career to greater success.